उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक -9)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 01 अप्रैल, 2024

चुनाव का पर्व DESH KA GARV

LOK SABHA ELECTION 2024

आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान अवश्य करें

नौबस्ता गल्ला मंडी स्कूल में मनाया गया एनुअल फंक्शन तरंग- 2024 8

मेयर संग पार्षदों ने उड़ाया अबीर- गुलाल 3

हम आने वाले पांच साल का रोडमैप बना रहे हैं

मेरठ से यूपी में पीएम ने किया चुनावी अभियान का शंखनाद

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में रविवार को एक चुनावी रैली संबोधित कर उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की। इस रैली में नेताओं ने मेरठ बल्ला, किसान का हल और लकड़ी से बना राम मंदिर देकर पीएम मोदी का मंच पर स्वागत किया। इसके बाद महिला शक्ति ने पीएम मोदी को फूलमाला पहनाई। रैली में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) प्रमुख जयंत चौधरी के अलावा मेरठ लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार अभिनेता अरुण गोविल भी मौजूद रहे। बता दें कि राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के साथ यह बीजेपी की पहली साझा चुनावी रैली है।

अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मेरठ की यह धरती क्रांति और क्रांति वीरों की धरती है। इस धरती पर बाबा अवघड़ धाम का आशीर्वाद है। इस धरती ने चौधरी चरण सिंह जैसे महान सपूत देश को दिए हैं। हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला है। मैं उन्हें आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा, 2024 का चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है।2024 का चुनाव... विकसित भारत बनाने के लिए है। 2024 का जनादेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाएगा।

पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार तीसरे कार्यकाल की तैयारी में अभी से जुट गई है। हम आने वाले पांच साल का रोडमैप बना रहे हैं। पहले 100 दिनों में हमें कौन-कौन से बड़े फैसले लेने हैं, इस पर तेजी से काम चल रहा है। बीते 10 वर्षों में तो आपने विकास का ट्रेलर ही देखा है, अभी तो हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। उन्होंने आगे कहा, भारत का समय आ गया है, भारत चल पड़ा है।आज भारत में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है। आज भारत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर अभूतपूर्व निवेश कर रहा है।आज हर सेक्टर में नौजवानों के लिए नए अवसर बन रहे हैं। आज देश की नारीशक्ति, नए संकल्पों के साथ आगे आ रही है। आज भारत की साख नई ऊंचाई पर है, पूरी दुनिया भारत को भरोसे से देख रही है।

लोकसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' करना चाहते हैं मोदी

लोकतंत्र बचाओ रैली में राहुल गांधी ने पीएम पर लगाया आरोप

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस लोकसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भारी बहुमत से चुनाव जीतकर संविधान खत्म किया जा सके। गांधी ने 'इंडिया' गठबंधन की 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' में लोगों का आह्वान किया कि वे इस 'मैच फिक्सिंग' को रोकने के लिए पूरी ताकत से मतदान करें, क्योंकि यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है।

राहुल गांधी ने क्रिकेट की मैच फिक्सिंग का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया, ''नरेन्द्र मोदी जी इस चुनाव में मैच फिक्सिंग करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''ये बिना मैच फिक्सिंग, बिना ईवीएम (छेड़छाड़) एवं सोशल मीडिया और प्रेस पर दबाव डाले बिना 180 पार नहीं होने जा रहे हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। चुनाव के बीच में ही सबसे बड़े विपक्षी दल के खाते फ्रीज कर दिए।''

उन्होंने दावा किया, ''धमकाया जाता है, सरकारों को गिराया जाता है, नेताओं को जेल में डाल दिया जाता है... यह मैच फिक्सिंग नरेन्द्र मोदी और तीन-चार सबसे बड़े अरबपति मिलकर कर रहे हैं।'' राहुल गांधी ने कहा कि इस मैच 'फिक्सिंग' का एक लक्ष्य है कि संविधान को गरीब जनता से छीना जा सके। उनका कहना था कि जिस दिन यह संविधान खत्म हो गया उस दिन यह हिंदुस्तान नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने कहा, ''यह संविधान हिंदुस्तान के दिल की धड़कन है, लोगों की आवाज है।

140 करोड़ की जनता से शक्तिशाली नहीं है कोई दल : कल्पना सोरेन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के बाद झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने लोकतंत्र बचाओ रैली को संबोधित किया। कल्पना सोरेन ने अपना संबोधन शुरू करते हुए कहा, मैं भारत की 50 प्रतिशत महिला आबादी और 9 प्रतिशत आदिवासी समुदाय की आवाज़ बनकर आपके सामने खड़ी हूं।कल्पना सोरेन ने आगे कहा, आज यहां उमड़ा जल सैलाब इस बात की गवाही दे रहा है कि लोकतंत्र को खत्म करने के लिए जिस तरीके तानाशाह ताकतों ने अपने कदम बढ़ाएं हैं उसका अंत करने के लिए यह सभा आज आयोजित हुई है। आज भारत में बाबा साहेब के संविधान से प्राप्त जिनती गारंटियां से उसे सरकार द्वारा खत्म किया जा रहा है। इन्होंने हमारे संवैधानिक मूल्यों को तहस-नहस किया है। आपको(जनता) अपने वोट का चुनाव सही रूप से करना होगा।उन्होंने कहा, भगवान राम ने भी अपने विरोधियों का सम्मान किया था। भगवान राम ने सदैव अपने सिद्धांतों का पालन किया था। वह धैर्यवान थे। अपने शत्रुओं को परास्त करने के बावजूद उन्होंने उनका सम्मान किया। बेरोजगारी और महंगाई पर बात करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा, जिस ढंग से देश में बेरजोगारी है, महंगाई सातवें आसमान पर है और नफरत की आग फैलाई जा रही है। हर जाति-वर्ग की रक्षा के लिए भी यहां कोई खड़ा नहीं हुआ। भारत की जनता सबसे बड़ी है। कोई भी दल 140 करोड़ की जनता से शक्तिशाली और ताकतवर नहीं हो सकता।

अमित शाह ने कहा- कांग्रेस भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ है.

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मीडिया की उस खबर को लेकर रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधा जिसमें कहा गया है कि इंदिरा गांधी की सरकार ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया था और कहा कि यह दर्शाता है कि पार्टी भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ है।

मीडिया की खबर भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई के आरटीआई (सूचना का अधिकार) आवेदन पर मिले जवाब पर आधारित है। इस खबर के अनुसार इंदिरा गांधी सरकार ने भारतीय तट से 20 किलोमीटर दूर पाक जलसंधि में स्थित 1.9 वर्ग किलोमीटर के इस द्वीप को 1974 में पड़ोसी देश श्रीलंका को सौंप दिया था। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, ''कांग्रेस ने कच्चातिवु स्वेच्छा से छोड़ दिया और उन्हें इसका कोई पछतावा भी नहीं है।

कांग्रेस के एक सांसद कभी देश को विभाजित करने के बारे में बोलते हैं और कभी-कभी वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बदनाम करते हैं। इससे पता चलता है कि वे भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ हैं।

संपादकीय

आपसी सहमति बनाई जाए

पहला लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक साथ चुनाव करवाना, दूसरा सौ दिनों के भीतर नगरपालिकाओं और पंचायतों का चुनाव कराना। समिति ने शासन के तीनों स्तरों के चुनाव में उपयोग के लिये एक मतदाता सूची और मतदाता फोटो पहचान पत्र की भी सिफारिश की है। दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणापत्र में चुनावी खर्च घटाने, सरकारी संसाधनों की मितव्ययता ,सुरक्षा बलों का कुशलता से उपयोग सुनिश्चित करने तथा प्रभावी नीति नियोजन के लिये संसद, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिये एक साथ चुनाव के विचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जतायी थी। भारतीय जनता पार्टी की ओर से कहा गया था कि वह इस मुद्दे पर विभिन्न हितधारकों के मध्य आम सहमति बनाने का पुरजोर प्रयास करेगी। कोविंद समिति का कहना है कि इस दौरान देश के सैंतालीस राजनीतिक दलों ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के बाबत अपने विचार रखे। दावा किया जा रहा है कि इन दलों में से 32 राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराये जाने के सुझाव का समर्थन किया। निश्चित रूप से यह एक बड़ी चुनौती है कि साल भर देश के किसी न किसी राज्य में विधानसभाओं के चुनाव होते रहते हैं। जिसके चलते जहां चुनावी खर्च बेतहाशा बढ़ जाता है, वहीं नौकरशाही जनता के विकास कार्यों के बजाय चुनाव प्रबंधन में जुटी रही है। वहीं बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। ऐसे में पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के विचार को एक कारगर विकल्प के रूप में बताया जाता रहा है। लेकिन, इस विचार को अमली-जामा पहनाने में कई व्यावहारिक दिक्कतें भी हैं।

निस्संदेह, आम चुनाव से पहले 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मामले को संबोधित करना भाजपा के एजेंडे का आखिरी बड़ा मुद्दा है। इसमें दो राय नहीं कि एक साथ चुनाव कराने के लिये एक सामान्य मतदाता सूची का विचार पहली नजर में लाभकारी नजर आ रहा है, लेकिन यह विचार अमल की चुनौतियों से मुक्त नहीं है। अकसर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाता अलग-अलग मुद्दों पर मतदान करते रहे हैं। इनमें मतदान का प्रतिशत व रुझान भी भिन्न दिखायी देता है। मसलन, वर्ष 2014 और 2019 में दिल्ली में लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी सीटों पर सफलता प्राप्त की, लेकिन वहीं आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में उल्लेखनीय जीत हासिल की। विपक्षी दलों का आरोप है कि एक 'राष्ट्र, एक चुनाव' का मुद्दा भाजपा ने लोकसभा के साथ विधानसभा चुनावों में सफलता हासिल करने के लिये उछाला है। वे इसे केंद्र में सत्तारूढ़ दल की वोट हासिल करने की चाल बता रहे हैं। वहीं सवाल यह भी कि उन राज्यों में क्या स्थिति होगी, जहां पिछले दिनों विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए हैं। राजनेताओं की मांग है कि कोविंद समिति द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद इस विवादास्पद मामले में सर्वसम्मति बनाने के लिये सभी राजनीतिक दलों से बातचीत करनी चाहिए। निश्चित रूप से इतने बड़े देश में एक साथ चुनाव कराने के लिये व्यापक तैयारियों की जरूरत होगी।

आबादी असंतुलन से उपजे संकट की आहट

दूसरी तरफ विकसित देशों में घटती जन्मदर से आर्थिक और सामाजिक ताने बाने पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वर्ष 2022 के संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक पिछले दस वर्षों में एक करोड़ से ज्यादा आबादी वाले आठ देशों की आबादी कम हो गई है, जिनमें ज्यादातर देश यूरोप के हैं। जापान आबादी में आ रही गिरावट व बुजुर्गों की बढ़ती आबादी से परेशान है। इसका सामाजिक-आर्थिक हालात पर असर पड़ा है।अंतरराष्ट्रीय जनरल द लेंसेट में 20 मार्च 2024 को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लड़कियों की आबादी दर घटने के कारण सामाजिक ताने बाने पर असर पड़ रहा है। जीवन शैली में बदलाव की वजह से युवा शादियां विलम्ब से करने लगे हैं।

आबादी असंतुलन से उपजे संकट की आहट एक दौर था जब दुनिया के तमाम देश बढ़ती आबादी और संसाधनों के बेतहाशा दोहन और कम संसाधनों की वजह से परेशान थे। आज भी तमाम विकासशील देश बढ़ती आबादी से बढ़ रही समस्याओं और संसाधनों की कमी की वजह से परेशान हैं। दूसरी तरफ विकसित देशों में घटती जन्मदर से आर्थिक और सामाजिक ताने बाने पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वर्ष 2022 के संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक पिछले दस वर्षों में एक करोड़ से ज्यादा आबादी वाले आठ देशों की आबादी कम हो गई है, जिनमें ज्यादातर देश यूरोप के हैं। जापान आबादी में आ रही गिरावट व बुजुर्गों की बढ़ती आबादी से परेशान है। इसका सामाजिक-आर्थिक हालात पर असर पड़ा है।अंतरराष्ट्रीय जनरल द लेंसेट में 20 मार्च 2024 को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लड़कियों की आबादी दर घटने के कारण सामाजिक ताने बाने पर असर पड़ रहा है। जीवन शैली में बदलाव की वजह से युवा शादियां विलम्ब से करने लगे हैं, जिसका असर बच्चों के पालन-पोषण, उनकी शिक्षा और सेहत पर पड़ता है। इससे सामाजिक ताना-बाना गड़बड़ा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 1950 तक यानी 74 साल पहले भारत की प्रजनन दर जो 6.2 थी, 2021 साल आते-आते घट कर दो प्रतिशत से भी कम रह गई। अध्ययन व अनुमान के मुताबिक 2050 तक प्रजनन दर घट कर 1.29 और साल 2100 में घटते-घटते 1.04 तक पहुंच सकती है।

गौरतलब है प्रजनन दर 2.1 को रिप्लेसमेंट लेवल कहा जाता है। यानी इस दर पर आबादी स्थिर रहती है और इससे कम होने पर घटने लगती है। युवाओं की आबादी घटने का मतलब वृद्धों की आबादी में वृद्धि। यानी श्रम शक्ति में कमी आना। यह किसी भी देश के लिए एक जोखिम की स्थिति हो सकती है। भारत को भी एक या दो दशक बाद श्रम शक्ति की कमी से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

विकसित देशों में भी जन्म-मृत्यु दर में असंतुलन पैदा हो गया है। अध्ययन के मुताबिक 2030 तक स्पेन, दक्षिण कोरिया, रूस, सिंगापुर और जर्मनी की आबादी घटनी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा भारत, नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार की आबादी की रफ्तार भी थम सकती है। अभी हालत यह है कि कई विकसित देशों में बच्चों की जन्मदर बहुत तेजी से घट रही है। इसमें सिंगापुर और जापान प्रमुख हैं। सिंगापुर में बच्चों की जन्मदर 0.97 प्रतिशत है तो जापान में बच्चों की जन्मदर 0.6 है। कोरिया में प्रजनन दर 0.72 प्रतिशत है।

इस तरह देखें तो जन्मदर उन देशों में सबसे कम है जो विकसित और खुशहाल माने जाते हैं। गौरतलब है जापान ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए युवाओं को इनाम दे रहा है। इसके बावजूद शादी करने वाले युवाओं की संख्या लगातार कम हो रही है। वर्ष 2023 में महज चार लाख युवाओं ने ही शादियां कीं। इसी तरह सिंगापुर में 2023 में 26,500 युवाओं ने ही शादियां कीं। जन्मदर की यह कमी जापान और सिंगापुर की अर्थव्यवस्था पर सीधे असर डाल रही है।

चीन, जो आबादी के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है, की आबादी वर्ष 2100 तक आज के स्तर से आधी यानी 1.4 अरब से घट कर 77.1 करोड़ रह सकती है। लेकिन दुनिया के तमाम अविकसित देशों में आबादी घटने के बजाय लगातार बढ़ रही है। इनमें अफ्रीकी देशों के अलावा मध्यपूर्व के मुस्लिम देश भी शामिल हैं। वहीं जिन देशों में बच्चों की जन्मदर बहुत अधिक है, उन देशों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसमें पीने के पानी, खाद्यान्न के अलावा दवाएं व रोजगार की कमी शामिल है।

भारत में पिछले दस सालों में पानी, खाद्यान्न और रोजगार में कमी देखी जा रही है, लेकिन बूढ़े हो रहे लोगों की संख्या बढ़ रही है। वहीं भारत के पड़ोसी देशों से खासकर बांग्लादेश, म्यांमार से पलायन कर आए शर्णार्थियों की वजह से भी जनसंख्या घनत्व पर असर पड़ा है।

भारत में स्थिर जनसंख्या के लक्ष्य को हासिल करना बहुत बड़ी चुनौती है। बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे तमाम राज्यों में बच्चों की जन्मदर काफी अधिक है।

इन राज्यों में जनसंख्या घनत्व दूसरे राज्यों से अधिक है। इसी के साथ भारत में युवाओं की बहुत बड़ी आबादी बेरोजगार है। इसलिए रोजगार की समस्या को प्राथमिकता के तौर पर हल करें। यूं तो बेरोजगारी की समस्या को हल करने के मद्देनजर सरकारों ने कई कदम उठाए हैं, लेकिन आज भी करोड़ों की तादाद में भारत के युवा बेरोजगार हैं। इसलिए गैर बराबरी की समस्या भारतीय समाज में तेजी से बढ़ी है। भारत एक विकसित देश बने, इसके लिए जरूरी है कि आबादी में संतुलन बनाया जाए।

शराब के खेल में, अबकी होली हुई है जेल में

काल कोठरी के भाग अब खुल जायेंगे कज। आएंगे गाने वाले मनीष से जब होली के अवसर पर हुलियारों नें पूछा की का हो मनीष भईया शिक्षा व्यवस्था के तहत कुछ विशेष पढ़ाया का जो पट्टी पढ़, लोटपोट होकर कजरू सर भी साथ हो गए। तभी सत्येंद्र झट से बोल पड़े फगुआ के चढ़ल बा बयार जब मिल बैठे सरकार। संजे से भला चुप कैसे रहा जाता अब संजे नें भी गला फाड़ा और बोले का भईया ठीक ठाक बा होली में का हाल बा ! उधर भारत के दो मुख्यमंत्री जेल की हवा खा लिए । झारखण्ड के मुख्यमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री दोनों ईडी के चक्कर में ऐसा फंसे की अब उनकी होली चक्की पिसिंग वाली हो गई। अरविन्द केजरीवाल नें बहुत पहले भाजपा कों चुनौती दी थी कि दम हो तो मुझे जेल में डाल कर दिखाओ ये बात ईडी नें भी दिवाल के पीछे से कान लगाकर सुन लिया और शुभ मुहूर्त होली का निकाला और होली से दो दिन पहले ही केजरीवाल नें होली की परम्परागात फगुआ संगीत गा डाला। तिहाड़ पहुंचते ही शराब घोटाले के तिहाड़ी नें होली पर फगुआ गाया कि हम को हो गयी जेल अब हम कैदी हो गए, मिल ना पाया बेल अब हम कैदी हो गए, बिगड़ा सारा खेल अब हम कैदी हो गए, सुनो संजे सत्येंद्र हम बिन पैदी हो गए, अब हमको हो गई जेल हम कैदी हो गए । उधर होली के व्यंग्य लेखक नें कहा तिहाड़ जेल प्रशासन ने आठ लाख में नया कमोड मँगवाया ! सुना है जिल्लेइलाही की गिरफ्तारी से आपिये बहुत दुखी है जिस कारण रोटी गले से नही उतर रही थी। इसीलिए, अब वो पनीर मसाला और लच्छे पराठे खा कर सोयेंगे। उधर जेल के अंदर से आवाज़ आ रहीं थी कोई नया मेहमान आने वाला है, जिसे आठ लाख वाले कमोड पर ही हज कि आदत है ! उस पे लग गया केस अब हम कैदी हो गए। मित्र मनीष मित्र संजे सिंह

झारखण्ड के मुज्यमंत्री और दिल्ली के मुज्यमंत्री दोनों ईडी के चक्कर में ऐसा फंसे की अब उनकी होली चक्की पिसिंग वाली हो गई। अरविन्द केजरीवाल नें बहुत पहले भाजपा कों चुनौती दी थी कि दम हो तो मुझे जेल में डाल कर दिखाओ ये बात ईडी नें भी दिवाल के पीछे से कान लगाकर सुन लिया और शुभ मुहूर्त होली का निकाला और होली से दो दिन पहले ही केजरीवाल नें होली की परज़्परागात फगुआ संगीत गा डाला।

पंकज कुमार मिश्रा, मिडिया विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

मित्र सत्येन्द्र जैनआ रहा हूँ मैं जहां चार यार मिल जाएं वहांज्अब तिहाड़ में नया भजन बज रहा जिसके वायरल होने की पूर्ण संभावना है, जिसके बोल है ङ्क काल कोठरी के भाग अब खुल जागेंगेकेजरु आएंगेज्केजरु आएंगे आएंगे केजरु आएंगे, काल कोठरी के भाग अब खुल जाएंगे कजरु आएंगे ! कजरु आएंगे तो मफलर सजाउंगी, बैठ तिहाड़ में तिहाड़ी दिलाऊँगी, उसे ढीली सी शर्ट पहनाऊँगी, अपने बच्चों की कसम वो खाएंगे, कजरु आएंगेज्.कजरु आएंगे आएंगे कजरु आएंगेज्केजरु आएंगे तो दारू मैं मंगाउंगी, बोतल पीछे बोतल फ़ीरी मैं उठाऊंगी , संजे मनीष सतेंदर चखना ले आएंगेज् कजरु आएंगे कजरु आएंगे आएंगे केजरु आएंगे। कजरु आएंगे तो हिलोली मनाउंगी, खूब जोरदार सिक्योरिटी लगवाउंगी, बंगले में पैंतालीस करोड़ खर्च जायेंगे, कजरु आएंगे, कजरू आएंगे आएंगे कजरु आएंगे, काल कोठरी के भाग अब खुल जाएंगे कजरु आएंगे ।आप के घर में, जब किसी को भी चोट लगती है, हल्का सा भी खून निकलता है तो आप क्या करते हैं ? चोट को तत्काल साफ, उस पर कपड़ा, बैंडेज या खुद गॉज लगा के, खून रोकते हैं हॉस्पिटल ले जाने तक पर पश्चिम बंगाल में ममता बैनर्जी की दुविधा और नाटक देख लीजिये ! चोट लगा और बिना खून साफ हुए फोटो खिचवा कर उसे मिडिया में लीक कर सहानुभूति के जरिये मोदी को मात देने की सोच बता रहा कि विपक्ष की हवा उल्टे दिशा में बह चली है। दीदी मुख्यमंत्री हैं, देश की शीर्ष नेताओं में से एक। मुख्यमंत्री काफिले में हमेशा एक एंबुलेंस होती है, डॉक्टर होता है, बेहतरीन फर्स्ट एड किट होती है। लेकिन, दीदी के हॉस्पिटल पहुंचने तक ना किसी ने घाव को दबाया, साफ किया, ना बेसिक फर्स्ट एड दिया। यहां तक कि दीदी के मुंह से बहता खून तक साफ नहीं किया गया। यें नेता जनता को ऐसे ही बेवकूफ समझते हैं। पर जनता समझती नहीं, खैर प्रभु दीदी को जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे। उधर डॉक्टर सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा है कि इलेक्टोरल बॉन्ड कांड एक आर्थिक अपराध है जिसने मोदी सहित पूरे बीजेपी को गड्ढे में डाल दिया है ! उन्होंने टोटी मिडिया के यूट्यूबर किसी अंजुम के चैनल पर इंटरव्यू में कहा है वे इलेक्टोरल बॉन्ड के मसले पर जनहित याचिका दायर करेंगे क्योंकि देश के मतदाताओं ने जिस पार्टी और नेता पर 2014 और 2019 में विश्वास किया और बहुमत के साथ भारत के केंद्र सरकार की सत्ता दी और जो अपने को चौकीदार कहता था वही चौकीदार चोर निकला। स्वामी ने कहा कि यदि मोदी ने इस्तफा नहीं दिया तो बीजेपी का सत्ता से बाहर जाना निश्चित है क्योंकि अमेरिका के निक्सन सरकार के वाटरगेट कांड से भी भयानक और बड़ी चोरी है इसलिए ऐसे व्यक्ति को सरकार में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है!

म्यूजिक वीडियो 'तबाह है' जारी

निर्माता अश्विन महाराज का पार्टी एंथम सॉन्ग 'तबाह है' जारी हो गया है। इस म्यूजिक वीडियो में अश्विनी बागल और विद्या मदाकाचे नज़र आ रही हैं। यह गाना एक पार्टी नंबर है जो निश्चितरूप से इस साल का पार्टी एंथम की लिस्ट में शामिल होगा। शोना गोंसावलिस द्वारा स्वरबद्ध किए गए इस गाने के बोल शोभना ठाकुर ने लिखे हैं। एंडी भाकुनी द्वारा निर्देशित और कोरियोग्राफ किए गए इस गाने को संगीत से सजाया है संगीतकार आशीष चंद्रा ने। मधुर संगीत से सजा यह पार्टी एंथम सॉन्ग निश्चितरूप से दर्शकों के दिलों को छू जायेगा और थिरकने के लिए मजबूर कर देगा। अश्विन महाराज द्वारा निर्मित म्यूजिक वीडियो 'तबाह है' अब उनके यूटयूब चैनल पर उपलब्ध है।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

अब 27 एप्स और आईटीसी सिस्टम से नज़र रख कार्रवाई होगी

गोंदिया- वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में आज दिनांक 27 मार्च 2023 को प्रथम चरण के चुनाव के नामांकन की अंतिम तिथि बीत गई जिसमें 109 सीटों के लिए नामांकन दाखिल किए गए। अब चुनाव प्रचार की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो चुकी है। परंतु मेरा मानना है कि कैंडिडेट कार्यकर्ताओं व नेताओं को चुनाव आयोग द्वारा जारी आचार संहिता का पूर्ण रूपेण सख्ती के साथ पालन करना होगा, क्योंकि वर्तमान डिजिटल युग में चुनाव आयोग 27 एप्स और आईटीसी के माध्यमों से कैंडिडेट केअभियान पर पैनी नजर गड़ाए बैठा है। थोड़ी सी भी चूक हुई यानें 100 मिनट के अंदर कार्यवाही होगी ।हम हर चुनाव में देखते हैं कि चुनावी कत्ल की रात याने चुनाव के 1 दिन पहले वाली रात को खूब हरे हरे बटते हैं, जो सभी अपने अपने मोहल्ले में देखते होंगे कुछ चुनावों में मैंनें भी अपनी आंखों से देखा है कि कार्यकर्ता आते हैं और घरों में प्रति व्यक्ति वोटर के हिसाब से हरे बांट कर चले जाते हैं। हालांकि यह अलग बात है कि आधा माल अंदर होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता जो के कैंडिडेट को भी मालूम रहता है, परंतु जिस तरह इस बार चुनाव अधिकारियों ने इस बार 2024 के चुनावों को ऐतिहासिक बनाने की ठानी है और 27 एप्स व आईटीसी से नजर रखकर आम जनता से सी विजिल एप पर शिकायत से मात्र 100 घंटे में कार्रवाई की बात कही है उससे गंभीरता काफी बढ़ जाती है, जो रेखांकित करने वाली बात है। चूंकि चुनाव आयोग इसबार इस चुनाव को ऐतिहासिक बनाने 27 एप वआईटीसी से नजर रखने पर जोर दे रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पैसे बांटने या लालच देने की शिकायत मतदाता सी विजिल एप से सीधे चुनाव आयोग से करेगा और 100 घंटे में कार्रवाई की व्यवस्था की गई है जो सराहनीय बात है।

साथियों बात अगर हम चुनाव आयोग द्वारा सी विजिल एप पर शिकायत करने पर 100घंटों में कार्यवाही की करें तो, लोकसभा चुनाव 2024 में स्वतंत्र और निष्पक्ष वोटिंग के लिए चुनाव आयोग कड़ी तैयारी कर रही है। इस कड़ी में इलेक्शन कमीशन ने आचार संहिता के उल्लंघन को रोकने के लिए सी-विजिल नाम का एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। सी- विजिल ऐप सभी स्मार्टफोन पर आसानी से काम करेगा। इस ऐप के जरिए आचार संहिता के उल्लंघन पर नजर रखी जाएगी। सी-विजिल ऐप के माध्यम से आम नागरिक आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लघंन की शिकायत कर सकते हैं ।इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप के जरिए आम नागरिक, लाइव फोटो और लाइव वीडियो अपलोड कर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा शिकायतकर्ता सी-विजिल ऐप में लॉगिन करके अपनी कम्प्लेन को ट्रैस भी कर सकते हैं। इस ऐप की सबसे खास यह है कि इसमें नाम या मोबाइल नंबर की कोई बाध्यतानहीं है ।100 मिनट के अंदर होगा शिकायत का निष्तारणलेकिन शिकायतकर्ता अपना नाम व मोबाइल नंबर देता है तो ऐप के माध्यम से अपनी शिकायत की निगरानी भी कर सकता है ।शिकायत निस्तारण की समयावधि 100 मिनट है ।शिकायत दर्ज होने पर संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा अपने नजदीक के उड़न दस्ता (एफएसटी) टीम को शिकायत स्थल पर भेजा जाता है। वोटर्स का बड़ा हथियार लोकसभा चुनाव हों या विधानसभा चुनाव, अकसर ऐसी खबरें आती हैं कि उस इलाके में किसी कैंडिडेट की ओर से पैसे बांटे गए। या फिर वोटर्स को लुभाने के लिए लालच दिया गया। ऐसे मामलों पर लगाम में यह ऐप काफी मददगार साबित हो सकता है। इस ऐप के जरिए कोई भी व्यक्ति सीधे अपनी शिकायत को चुनाव आयोग तक पहुंचा सकता है। शिकायत मिलते ही 100 मिनट में एक्शन और उससे जुड़े स्टेटस का भी पता चल सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि वोटर ऐप से अपना बूथ नंबर चेक कर सकते हैं। अगर कोई उम्मीदवार लालच दे रहा है या फिर पैसे बांट रहा तो इस ऐप से शिकायत भी कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि नागरिकों को कोई भी शिकायत है तो वो ऐप से भेज सकते हैं। इसमें कहीं भी कोई पैसा बांटने का केस है, चुनावी लालच दिया जाने का मामला है तो बस तुरंत एक फोटो लीजिए और टेक्स्ट लिखिए और हमें भेज दीजिए। जैसे ही आप तस्वीर और शिकायत भेजते हैं हम आपकी लोकेशन खुद ट्रेस कर लेंगे। मोबाइल की लोकेशन से हम आपसे संपर्क करेंगे। महज 100 मिनट के अंदर हम अपनी टीम भेज कर आपकी शिकायत पर एक्शन लेंगे।

साथियों बात अगर हम केवाईसी और बीएचए सहित 27 एप्स की करें तो, यही नहीं चुनाव आयोग ने इस चुनाव को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई बड़े फैसले लिए है। इस बार कहीं कोई कैंडिडेट धनबल-बाहुबल का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि चुनाव आयोग ने टेक्नोलॉजी के जरिए फोकस बढ़ाने पर जोर दिया है। लोकसभा चुनाव में इस बार आयोग 27 ऐप्स और आईटी सिस्टम के जरिए लोगों की मदद करेगा। इनमें ये तीन ऐप्स बेहद अहम हैं ।इन ऐप्स के जरिए जहां एक ओर सर्विलांस में मदद मिलेगी तो दूसरी ओर मतदाता अपने प्रत्याशियों की जानकारी ले सकेंगे। इसके जरिए चुनाव से जुड़ी हर अहम जानकारी, शिकायत से लेकर परमिशन तक सीधे आपको मिल सकेगी। ये तीनों ऐप हैं वीएचए, सी विजिल और केवाईसी जिनके जरिए वोटर जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं ।वीएचए यानी वोटर हेल्पलाइन ऐपचुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर वोटर हेल्पलाइन ऐप की सुविधा दी है। ये ऐप मतदाताओं की मदद में अहम रोल अदा करेगा। जैसे इस ऐप के जरिए आप वोटिंग लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं। ये जांच सकते हैं आप वोट डाल सकते हैं या नहीं। अगर आपका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो इसके जरिए मतदाता अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। अगर रजिस्ट्रेशन में कोई गड़बड़ी है तो उसमें सुधार के लिए प्रॉसेस अपना सकते हैं। इस ऐप के जरिए आप डिजिटल फोटो वोटर स्लिप डाउनलोड कर सकते हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

मेयर संग पार्षदों ने उड़ाया अबीर गुलाल

नगर निगम गेस्ट हाउस में होली मिलन समारोह हुआ आयोजित

कानपुर में 10 दिन तक चलता है होली का पर्व

कानपुर। मोतीझील स्थित नगर निगम मुख्यालय नगर निगम गेस्ट हाउस में महापौर के द्वारा होली मिलन समारोह एवं फूलो की होली का आयोजन किया गया। समारोह में फूलो की होली में विभिन्न गीतों लोग भाव विभोर हुए। महापौर प्रमिला पांडे ने पार्षदों व अतिथियों को अबीर गुलाल लगाकर प्रकार होली का त्यौहार भी उनमें से एक है। समारोह में वर्तमान, पूर्व पार्षद, नगर निगम एवं जलकल के अधिकारी, नगर निगम के कर्मचारी संगठन एवं भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मोर्चा के पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए। समारोह में विधायिका नीलमा कटियार, नवीन पंडित, सौरभ देव, कमलेश त्रिवेदी, पार्षद, सरोज सिंह, जिलाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा (उ0), निर्मल मिश्र, प्रियंका सिंह, प्रीति साहू इत्यादि उपस्थित रहे।

अब बकरियों का भी होगा कृत्रिम गर्भाधान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। अब बकरियों का भी कृत्रिम गर्भाधान होगा। इसके लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया गया है। पहली बार जिले के दस ब्लॉकों में अप्रैल माह में योजना लागू की जाएगी। गायों और भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान कराने की योजना पहले से चल रही है। शासन ने बकरी पालन को बढ़ाना देने के लिए कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशियल इंसेमिनेश) योजना बनाई है ।इससे बकरे से बकरियों में होने वाले रोगों में कमी आएगी। बकरों में मोनियोसिस, ब्रूसलोसिस, विब्रियोसिस बीमारियां होती हैं। ये बीमारियां बकरियों में भी फैल जाती हैं। कृत्रिम गर्भाधान से इन बीमारियों से छुटकारा मिल जाएगा। इसके लिए जिले में 10 केंद्र चिह्नित किए गए हैं। वहां के एक-एक पशु चिकित्सक को ट्रेनिंग भी दे दी गई है। कृत्रिम गर्भधारण करने का अभी शुल्क निर्धारण नहीं हो सका है। इसके लिए शासन को पत्र भेजा गया है।

बिनगवां में 60 हेक्टेयर में विकसित होगी टाउनशिप

सस्ते प्लॉट मिलेंगे, पूरा होगा हर वर्ग का सपना

कानपुर। केडीए काश्तकारों से सर्किल रेट से दोगुना दाम में 24 हेक्टेयर जमीन खरीदेगा। इन प्लॉटों की कीमत न्यू कानपुर सिटी की अपेक्षा कम होगी।

इससे हर वर्ग का सपना पूरा होगा ।न्यू कानपुर सिटी की तरह दक्षिणी कानपुर के बिनगवां में भी केडीए टाउनशिप विकसित करेगा। बिनगवां में 60 हेक्टेयर में विकसित होने वाली टाउनशिप के लिए सर्वे पूरा हो गया है। इसमें 24 हेक्टेयर जमीन खरीदी जाएगी, शेष जमीन खुद की है। न्यू कानपुर सिटी की तुलना में यहां सस्ते प्लॉट मिलेंगे। केडीए सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सर्वे पूरा कर योजना का खाका खींचने के लिए रिपोर्ट अभियंत्रण विभाग को सौंप दी है ।जमीन का मुआवजा डीएम सर्किल रेट से दोगुना देना है। कानपुर सागर मार्ग पर नौबस्ता गल्ला मंडी के आगे बिनगवां आवासीय योजना विकसित करने की तैयारी है। काश्तकारों से जमीन खरीदने के लिए शासन ने 50 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके लिए और धन की जरूरत पड़ने पर प्राधिकरण बोर्ड से हरी झंडी लेगा। अगले साल इस योजना को धरातल पर लाने की तैयारी है। विकास प्राधिकरण के सचिव शत्रोहन वैश्य ने बताया कि इस योजना में मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम आय वर्ग और निम्न वर्ग के लोगों के लिए छोटे प्लॉट विकसित किए जाएंगे। ले-आउट बनने के बाद प्लॉटों की कीमत तय होगी। योजना में सड़कें, सीवरलाइन, पाइपलाइन, बिजली, पार्क आदि मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। न्यू कानपुर सिटी और बिनगवां आवासीय योजना केडीए की प्राथमिकता में है। इन्हें जल्द से जल्द विकसित करने की कोशिश की जा रही है।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने हेतु महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शनिवार को दयानंद एंग्लो- वैदिक कॉलेज कानपुर द्वारा महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने हेतु आंतरिक शिकायत समिति(Internal Complaints Committee) एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कानपुर कोतवाली की एसीपी अर्चना सिंह जी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार दीक्षित जी द्वारा की गई। आंतरिक शिकायत समिति की समन्वयक प्रोफेसर प्रमिला त्रिपाठी द्वारा इस समिति की रूपरेखा, कार्य प्रणाली तथा कार्य क्षेत्र की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर रजत कुमार, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रोफेसर पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, समाजशास्त्र के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर राम जी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर सीमा आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर प्रतिभा त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

भाजपा के होली मिलन समारोह में बरसे फूल

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा के सचेडी मण्डल में आयोजित होली मिलन समारोह में भाजपा सांसद /प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने फूल वर्षा कर जानता जनार्दन से मिलकर कर होली की बधाई दी साथ ही भाजपा से प्रत्याशी के रूप मे भारी मतो से विजयी बनाने की अपील की.कार्यक्रम में मुख्यातिथि सांसद देवेंद्र सिंह भोले, विशिष्ट अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष आदरणीय दिनेश सिंह कुशवाहा जिलाध्यक्ष भाजपा कानपुर ग्रामीण, लोकसभा सयोजक दिनेश राय, ब्लाक प्रमुख अनुराधा अवस्थी मंडल अध्यक्ष गोविन्द कुशवाहा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह चौहान, मंडल प्रभारी निष्ठां कटियार, पूर्व मंडल अध्यक्ष विक्रांत तोमर, गया प्रसाद, राजेंद्र त्रिपाठी, राम कुमार, पुष्पेंद्र जादौन, सुनील राठौर, राजेश सिंह एवं क्षेत्र के तमाम प्रधान जिलापंचायत सदस्य पूर्व प्रधान एवं सैकड़ो भाजपा देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

'पुल नहीं तो वोट नहीं' के नारे के साथ वोटिंग का बहिष्कार

रूरा थाना क्षेत्र के बैजुपुरवा अंडरपास के गांव वालों को 8 किमी का चक्कर लगाना पड़ता

गांव वाले नाराज, जिला प्रशासन के अधिकारी समझाने पहुंचे

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। 'पुल नहीं तो वोट नहीं' के नारे के साथ ग्रामीणों ने आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार का ऐलान किया है। रूरा थाना क्षेत्र के बैजुपुरवा अंडरपास में गुरुवार को अंदाया, बैजुपुरवा, दम्मूपुरवा, इकघरा, कुरियानपुरवा, भूलनीपुरवा, कटारा, आजाद नगर,आदि दर्जनों गांवो के ग्रामीणों ने गांव के बाहर रेल पटरी के किनारे नहर पर पुल बनाएं की मांग को लेकर अंडर पास के पास एकत्र होकर मतदान का बहिष्कार किया। ग्रामीण अशोक,राकेश आदि लोग बताते हैं कि रूरा जाने के लिए पहले रेलवे लाइन के पास से पैदल रास्ता थी जिससे आसानी से कम समय में एक किलोमीटर का रास्ता तय कर ही जाना पड़ता था लेकिन अब करीब 8 किलोमीटर का चक्कर लगा कर रूरा पहुंचना पड़ता है। जिससे स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उसी के चलते गुरुवार को सकड़ो ग्रामीणों ने मतदान बहिष्कार किया। सूचना पर पहुंचे तहसीलदार पवन कुमार और थाना प्रभारी एसएन सिंह पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया तहसील दार को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंप कर अपनी समस्याएं अवगत कराई और प्रदर्शन न करने का आश्वासन दिया और मतदान का बहिष्कार करने का आह्वाहन किया।

गुड फ्राइडे: चर्चों में क्रास को चूमकर प्रभु यीशु के बलिदान को किया गया याद

कानपुर। प्रभु यीशु के बलिदान दिवस (गुड फ्राइडे) को मसीह समाज के लोगों ने शोक दिवस के रूप में मनाया। लोग चर्चो में जाकर क्रास को चूमकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस का याद किया। इसके साथ ही चर्चों में घंटा की जगह लकड़ी के खटखटे बजाये गये। द गुड शेफर्ड चर्च इन इंडिया गूबा गार्डेन कल्याणपुर में शुक्रवार को मसीह समाज के लोग उपस्थित हुए और प्रभु यीशु मसीह के द्वारा दिये गये बलिदान को याद किया गया। कार्यक्रम का आरंभ ए खुदाबन्दे खुदा हाकिम नामक गीत से किया गया। बिशप पंकज राज मलिक ने उपस्थित लोगों को बताया कि किस प्रकार समस्त मानव जाति के ?पापों के कारण ही प्रभु यीशु मसीह को ज़रूसपर अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा। इसके उपरांत सात पादरियों ने ज़रूस पर से प्रभु यीशु मसीह के द्वारा कही गई सात वाणियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान पैराडाइस एंजेल बैंड के मधुर गीत संगीत जैसे मैं आजाद हूं, तू मेरी चट्टान गीतों को सुनकर सब आत्मविभोर हो गये। इसी तरह अन्य चर्चों व गिरिजाघरों में शोक दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अनुपमा मलिक, पादरी सत्येन्द्र श्रीवास्तव, सागर मैसी, अनुराज, अभिमन्यु, श्रेयराज, सौरभ, राज, रिक्की, अमन एल्विन, मनीष लौरेंस आदि मौजूद रहें।

कानपुर और आसपास जिलों से गुजरने वाली 44 ट्रेनें रहेंगी निरस्त

अगले महीने की बुकिंग करने से पहले पढ़ें खबर

कानपुर/झांसी। रेल प्रशासन ने भोपाल मंडल के बुदनी-बरखेड़ा घाट खंड में तीसरी लाइन को लेकर बुदनी, मिडघाट, चोका और बरखेड़ा स्टेशनों पर हो रहे नान इंटरलाकिंग कार्य के कारण रेलवे ने मुंबई रूट की कानपुर सेंट्रल व आसपास के जिलों से गुजरने वाली 44 ट्रेनों को अगले माह निरस्त करने का फैसला किया है। इससे यात्रियों को परेशानी होगी। रेलवे ने यात्रियों के लिए अन्य ट्रेनों का विकल्प यात्रियों को दिया है। जिससे यात्रियों को ट्रेनें कैंसिल होने पर यात्रियों को दिक्कत न हो।

इस दिन नहीं चलेगी ये ट्रेनें

इसी तरह 02575 हैदराबाद-गोरखपुर एक व आठ, 02576 गोरखपुर-हैदराबाद साप्ताहिक तीन व 10, 05303 गोरखपुर-महबूबनगर साप्ताहिक दो व नौ, 05304 महबूबनगर-गोरखपुर चार व 11, 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस सात व आठ, 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस आठ व नौ, 16093 एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-लखनऊ एक्सप्रेस पांच व 16094 लखनऊ-एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस सात दिसंबर को निरस्त की गई है। 04121 सूबेदारगंज -सिकंदराबाद एक्सप्रेस 30 नवंबर व सात दिसंबर, 04122 सिकंदराबाद -सूबेदारगंज साप्ताहिक दो व नौ दिसंबर को नहीं चलेगी।

टिकट बुक कराई है तो विकल्प की करें तैयारी

रेलवे जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 11079 लोकमान्य तिलक -गोरखपुर एक्सप्रेस एक्सप्रेस साप्ताहिक सात व 11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस नौ, 01431पुणे-गोरखपुर साप्ताहिक आठ व 01432 गोरखपुर -पुणे एक्सप्रेस साप्ताहिक नौ, 01025 दादर-बलिया विशेष ट्रेन छह व आठ, 01026 बलिया-दादर विशेष आठ व 10, 01027 दादर-गोरखपुर विशेष सात व 01028 गोरखपुर-दादर विशेष ट्रेन नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी।

पान मसाला कारोबार पर कसेगा अब फिर शिकंजा

हर पैकिंग का करना होगा ऑनलाइन पंजीकरण

कानपुर। एक अप्रैल से आयकर, जीएसटी से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। पान मसाला कारोबार में कर चोरी रोकने के लिए निगरानी बढ़ाई जा रही है। हर पैकिंग मशीन का ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। बिजली की खपत हर महीने जीएसटी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। रिटर्न भी दाखिल करने होंगे।पान मसाला, तंबाकू, तंबाकू के सभी उत्पाद, सिगरेट, खैनी आदि कीनिर्माण इकाइयों को 30 अप्रैल 2024 तक जीएसटी विभाग में ऑनलाइन पैकेजिंग मशीनों की संख्या अपलोड करनी होगी। पैकेजिंग मशीन का मेक, उसकी निर्माता कंपनी, खरीद की तिथि, स्थान, कितने वजन के पैकेट पैक किए जाएंगे, पैकेजिंग क्षमता, एक घंटे में पैकेजिंग मशीन कितनी बिजली का उपभोग करेगी, मशीन का पंजीकरण आदि विवरण देने होंगसमय में कितनी पैकेजिंग मशीन हैं, इसकी भी घोषणा की जाएगी। मशीन की संख्या बढ़ाने का विवरण 24 घंटे के भीतर पोर्टल पर देना होगा। यदि मशीन हटाई गई है तो भी उसका विवरण 24 घंटे के अंदर देना होगा।सभी मशीनों का एक यूनिक नंबर जारी किया जाएगा। किस ब्रांड नाम का उत्पादन किया जा रहा है। उस पैकेट का कितना वजन है। उसका एचएसएन कोड क्या है और उत्पाद का विवरण दिया जाएगा।पान मसाला, तंबाकू उत्पादकों को महीने के अनुसार पूरे उत्पादन का विवरण फार्म जीएसटीएस आरएम दो में दाखिल करना होगा। उत्पादन का विवरण, बिजली का उपभोग, सोलर पॉवर से उपभोग का विवरण देना होगा।प्रमाणपत्र जीएसटी एसआरएम में दिया जाएगा। महीने की समाप्ति के बाद 10 दिन के भीतर पोर्टल पर अपलोड करना होगा। यदि निर्माण इकाई की मशीनों की उत्पादन क्षमता किसी अन्य सरकारी विभाग या एजेंसी को दी गई तब 15 दिन के भीतर जीएसटी विभाग को सूचना देनी होगी।कारोबारियों को नए वित्तीय वर्ष से चालान की नई सीरीज शुरू करनी होगी

दिव्यांगो का वोटर लिस्ट में नाम न बढा तो होगा चुनाव का बहिष्कार

सभी दिव्यांगजन को मिले वोट डालने का अधिकार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने कानपुर नगर में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 26468 बताने पर 18 मार्च को अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। जिस सम्बन्ध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रभारी अधिकारी शिकायत प्रकोष्ठ को राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी की शिकायत का निराकरण कराने के निर्देश दिया है 7राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने आरोप लगाया है कि दिव्यांगजनो को वोट के अधिकार से वंचित करने की साजिश हो रही है। सभी दिव्यांगजन को वोट डालने का अधिकार नही मिला तो लोकसभा चुनाव का बहिष्कार किया जायेगा। ज्ञात हो कि 2011 की जनगणना में दिव्यांगजन की संख्या 116292 दर्ज है जबकि जिला निर्वाचन अधिकारी ने 26468 दिव्यांगजन को मतदाता घोषित किया है। ये दिव्यांगजन को लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी से वंचित करने की साजिश है। इस सम्बन्ध में आज एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमे चुनाव का बहिष्कार, वोटर लिस्ट फूंकने का निर्णय लिया गया।

आज कि बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, अरविन्द सिंह, गुड्डी दीक्षित, धीरेन्द्र केशरवानी, आशीष कुमार, वीरेन्द्र अवस्थी, अनिल श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

सेंट्रल स्टेशन पर भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी का जोरदार स्वागत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा संगठन की और से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद पहली बार बुधवार को शहर आगमन पर रमेश अवस्थी का भाजपाइयों ने सेंट्रल स्टेशन पर ढोल-नगाड़े के साथ जबर्दस्त स्वागत किया।प्रत्याशी का स्वागत करने के लिए भाजपाइयों ने स्टेशन के अंदर व बाहर झंडे व बैनरों से सजा दिया था।रेलवे सेंट्रल स्टेशन पर भाजपाई हाथों मे पार्टी का झंडा थामे पहुचने लगे!

चप्पा-चप्पा-भाजपा का यह नारा स्टेशन पर पूरी तरह से फलिभूत होता नजर आया।हर तरफ मोदी-योगी-रमेश अवस्थी जिन्दाबाद के नारे गूंज रहे थे।स्टेशन पर पहुचने पर व्यवस्था देख रहे वंहा पहलें से मौजूद कार्यकर्ता भाजपाइयों के कुर्ते व शर्ट पर कमल वाला बिल्ला भाजपाई पट्टिका गले मे डालकर स्वागत कर रहे थे। शताब्दी पहुंची भाजपाई उनका स्वागत करने दौड पडे।गाडी के कूपे से बाहर निकलते ही भाजपाइयों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया।ढोल -नगाड़ों की जोरदारआवाज एवं नारों के साथ अंडरग्राउंड रास्ते से जैसे ही अवस्थी प्लेटफार्म नंबर एक पर आए यहां भाजपाइयों ने अबीर-गुलाल उडाकर एवं पुष्प वर्षा के साथ माहौल को होलीमय कर दिया।भारी भीड़ के साथ स्टेशन के बाहर निकलकर वह रथनुमा डीसीएम मे सवार हो गए।जैसे ही उनका काफिला घंटाघर की ओर बडा।प्रशासन ने आचार संहिता का हवाला देकर तमाम गाडियों को वापस कर दिया।घंटाघर पर उन्होंने गणेश मंदिर के दर्शन किए।इसके बाद भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने परमट स्थित आनन्देश्वर मंदिर में माथा टेककर पूजा अर्चना की।इसके बाद नवीन मार्केट स्थित भाजपा उत्तर कार्यालय में उनका भाजपाइयों ने जबर्दस्त स्वागत किया।विश्व के जाने माने विशेषज्ञ भी मान रहे है कि बेहतर कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार पर नकेल व अन्य सुख सुविधाओं के कारण निवेशक भारत की और जिस तरह आकर्षित हो रहे है उससे निश्चित रूप से मोदी के लक्ष्य से बहुत पहले ही भारत दुनिया की तिसरी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा।सेंट्रल पर स्वागत करने वालों मे प्रमुख रूप से क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल,सांसद देवेन्द्र सिंह, विधायक निलिमा कटियार, नवीन पंडित, प्रकाश वीर आर्य,मनीष त्रिपाठी,अजय कपूर,विधायक सुरेंद्र मैथानी, शिवराम सिंह, सुरेश अवस्थी, देहात अध्यक्ष मनोज शुक्ला आदि रहे!

जिलाधिकारी ने सरसैया घाट पर डी0एम0सी0ए0ई0 कमेटी की बैठक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी , राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में डी0एम0सी0ए0ई0 कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद कानपुर नगर के समस्त 3614 पोलिंग स्टेशनों पर जनपद में चयनित 26478 दिव्यांग मतदाताओं की सुविधानुसार समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण किए जाने, तथा जनपद के समस्त बुजुर्ग मतदाताओं की सुविधानुसार समस्त 3614 पॉलिंग स्टेशनों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण किए जाने हेतु बैठक की गई।बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए गए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में दिव्यांग मतदाताओं के संबंध में सुविधा प्रदान किये जाने हेतु सक्षम ऐप विकसित किया गया है।उक्त ऐप को सभी दिव्यांग मतदाता अपने मोबाइल फोन के प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड कर मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने एवं मतदान के दिन मतदान केंद्र पर दी जाने वाली सुविधाओं आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते है। सक्षम ऐप की जानकारी सभी दिव्यंगजनों के लिए कार्य करने वाली विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं एवं जिला दिव्यांगजन अधिकारी द्वारा जनपद के समस्त दिव्यांग जनों को सक्षम ऐप की जानकारी उपलब्ध कराने हेतु उन्हें प्रेरित किया जाए।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने गंगा मेला में लगाया कैंप

बीपीएस न्यूज

कानपुर । गंगा मेला में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तत्वावधान में कैंप लगाया गया। आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया गया

एवं सभी को लाल अबीर चंदन लगाकर सबका सम्मान किया गया राज्य कर्मचारी संघ परिषद कानपुर नगर की तरफ से पिछले कई साल से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इस मौके पर राज्य कर्मचारी संघ परिषद के जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी के नेतृत्व में पूरी टीम उपस्थित रही मंच का संचालन इंजीनियर कोमल सिंह ने किया। इस मौके पर डॉक्टर सुरेश चन्द्र गुप्ता,ए एन द्विवेदी,रणधीर सिंह,मंजूरानी कुशवाहा,अजय द्विवेदी सिंचाई,धर्मेन्द्र अवस्थी,परवेज आलम ,संघर्ष समिति साहब सरताज ,एस एम जेड नकवी,आनंद वाजपेई,मनोज झा ,राम स्वरूप, प्रमोद शुक्ला,अनुज शुक्ला,संतोष सिंह,आर बी पांडेय,बिलाल अहमद,अरुण मिश्रा,विक्रम शर्मा, सुखेन्द्र यादव,अटल पाल,ब्रजेश कटियारतमाम लोग इस मौके पर उपस्थित रहे।

पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा

कानपुर। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट कानपुर नगर के अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन सेन्ट्रल, अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल जोन एवं सहायक पुलिस आयुक्त अनवरगंज के निर्देशन पर व प्रभारी निरीक्षक अनवरगंज की अगुवाई में उ0नि0 प्रवीण त्रिपाठी मय हमराह का0 5279 अवतार सिंह द्वारा एक नफर अभि0 वारंटी अब्दुल जब्बार कुरैशी पुत्र गफ्फार निवासी 80/48 कुलाबाजार थाना अनवरगंज कानपुर नगर उम्र करीब 52 वर्ष सम्बंधित एनबीडब्लू मा) न्यायालय अपर जिला जज कक्ष सं0 09 कानपुर नगर वाद स0 79/2018 अ0स0 06/18 धारा 18/20 एनडीपीएसएक्ट थाना अनवरगंज कानपुर नगर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा रहा है। पुलिस द्वारा किये गये कार्य की आमजनों द्वारा सराहना की गयी।

कानपुर गंगा मेला : धूमधाम से निकला रंग का ठेला

जेट मशीन से रंगों की बौछार

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।महानगर में शनिवार भोर से परंपरागत होली मेला की मस्ती छा गई। हटिया स्थित रज्जन बाबू पार्क में तिरंगा फहराने के बाद गुलाल उड़ा तो इंद्रधनुषी छटा छा गई। ऐतिहासिक रंग का ठेला निकला, तो की खुशियां सातवें आसमान पर पहुंच गई।भैंसा ठेला, ऊंट, ट्रैक्टर ट्राली पर सवार हो रंग बरसाते होरियारे निकले और पूरे शहर में होली खेली गई। सुबह ही रज्जन बाबू पार्क में होरियारे जुट गए। पुलिस कमिश्नर व जिलाधिकारी के तिरंगा फहराते ही भारत माता की जय..होली है की गूंज के बीच रंग बरसने लगा। इसके बाद तो पीएसी बैंड की धुन पर होरियारे मस्त हो गए। ढोल-ताशा पर ठुमके लगाते होरियारे जल संस्थान की हाई प्रेशर जेट मशीन से लगभग 70 ड्रमों में रखे रंग की बौछार करते होली है... चिल्लाए, तो छतों से महिलाओं और बच्चों ने रंग बरसाने शुरू कर दिए।होली और राष्ट्रभक्ति के गीत गूंज उठे नीचे उतर कर आओ मेरो भौजी..साल भरे की होली है...कबीरा सारारारा..की गूंज के साथ देश भक्ति गीत मेरा रंग दे बसंती चोला..,

जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा.., आया होली का त्योहार, लाया रंगों की बहार.., होली आई रे कन्हाई रंग बरसे.., आज ब्रज में होली है रसिया.., होली खेलत रघुवीरा.., अवध में होली खेले रघुवीरा.., रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे.., होली के दिन दिल खिल जाते है रंगो में रंग मिल जाते है.. की गीत गूंजे तो होली की खुशियां परवान चढ़ गई।रज्जन बाबू पार्क में बाल मेला लगा, जिसमें झूले, पॉपकार्न, शक्कर के गोले, पानी बताशे, भेलपूड़ी, टॉफी-बिस्कुट वितरित किए गए। देर शाम आतिशबाजी से आकाश सतरंगी हो गया। कार्यक्रम संयोजक ज्ञानेन्द्र विश्नोई, विनय सिंह, संतोष बाजपेयी, कृतज्ञ तिवारी, रोहित बाजपेयी, सुशील सिंह, उत्तम बाजपेयी, विनय मेहरोत्रा, मयंक गुप्ता, उज्ज्वल सविता, प्रदीप मेहरोत्रा, सनी श्रीवास्तव, ऋषि तिवारी, संदीप मिश्रा, संतोष राठौर मौजूद रहे।

डॉन के खौफ से जब कांपती थीं सरकारें

◂◂ उत्तरप्रदेश में माफिया मुख्तार अंसारी का खौफ इस कदर था कि सरकार तक उसके सामने चुप रहती थीं और उसके काफिले को रोकने का साहस किसी में नहीं था. ◂◂ खुली जीप में चलना, हथियारों का लहराना और दंगों के बाद धमकाना मुख ?तार अपनी शान समझता था ◂◂ वह एक ऐसा माफिया डॉन था, जिसके नाम से ही एक समय पूर्वांचल में दहशत पैदा हो जाती थी

माफिया मुख्तार अंसारी (फाइल फोटो)

बीपीएस न्यूज

लखनऊ/मऊ। माफिया से माननीय बने मुख्तार अंसारी की मौत भी वैसी ही हुई, जैसे एक आम आदमी की मौत होती है. लेकिन मुख्तार कोई आम आदमी नहीं था, वो यूपी का एक ऐसा माफिया डॉन था, जिसके नाम से ही एक समय पूर्वांचल में दहशत पैदा हो जाती थी. उसके नाम से ही पुलिस महकमे में कई अफसरों को सांप सूंघ जाता था. एक समय उसकी हनक किसी विधायक या सांसद से भी ज्यादा थी. मुख्तार ना सिर्फ एक माफिया था बल्कि पांच बार विधायक रहने वाला एक मंझा हुआ राजनेता भी था. जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई और बांदा मेडिकल कॉलेज ने मुख्तार की मौत की पुष्टि भी कर दी.वर्ष 2002 में मोहम्मदाबाद में एक बड़ा सियासी उलटफेर हुआ. प्रदेश में भाजपा की सरकार तो नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद 1985 से लगातार विधायक बनकर आ रहे मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी की मोहम्मदाबाद विधानसभा सीट पर हार हो गई. भाजपा के कृष्णनंद राय मोहम्मदाबाद के नए विधायक थे, जो फाटक कभी अंसारी परिवार का पुश्तैनी ठिकाना हुआ करता था, उसको कुछ सालों बाद किसी ने ठोकर मारी थी. बस यहीं से मुख्तार के दिलो-दिमाग में बदले की आग जलने लगी, जो 2005 में कृष्णानंद राय की हत्या से ही ठंडी हुई.

जेल में रहकर चलाता था 'सरकार'

2005 में मऊ जिले में दंगा हुआ था और तब मुख्तार अंसारी की खुली जीप में सुरक्षाकर्मियों के साथ दंगाग्रस्त इलाकों में घूमने की तस्वीरें सामने आई थी. आरोप लगा यह दंगा मुख्तार के इशारे पर हुआ, लेकिन आरोप सिद्ध नहीं हुआ. इसी बीच मुख्तार ने सरेंडर किया और जेल चला गया. जानकार बताते हैं कि इस साजिश के तहत ही मुख्तार अंसारी ने जान-बूझकर जेल का रास्ता अख्तियार किया था, जहां से उसने कृष्णानंद की हत्या की साजिश रची थी, जिससे कोई शक ना हो.

बांदा: 5 डॉक्टरों के पैनल ने किया मुख्तार का पोस्टमार्टम

बांदा। यूपी के बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से बीती रात मौत हो गई थी। शुक्रवार की सुबह भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पांच डॉक्टर के पैनल ने मुख्तार का पोस्टमार्टम किया। वीडियो ग्राफी भी हो रही पोस्टमार्टम की। पोस्टमार्टम के समय उमर अंसारी मौजूद रहे इस दौरान भारी संख्या मे केंद्रीय पुलिस और मंडल के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पोस्टमार्टम से मीडिया को 200 मीटर दूर रखा गया। पोस्टमार्टम होने के बाद मुख्तार अंसारी के शव को ले जाएंगे गाजीपुर। मुख्तार अंसारी के पैतृक घर में होगा अंतिम संस्कार।

पोस्टमार्टम के दौरान की माफिया की फोटो

बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय के काफिले पर 400 राउंड गोलियां मारी थी

नवंबर का महीना था, मोहम्मदाबाद के बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेंट के कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे तभी एके-47 से लैस अपराधियों की गाड़ी ने सामने से कृष्णनंद राय और उनके सहयोगियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर विधायक समेत सात लोगों को मौत के घाट उतार दिया. हमला इतना भीषण और सुनियोजित था कि इस सामने वालों को संभलने तक का मौका रहेगा. करीब 400 राउंड गोलियां चली और 7 लोगों के शरीर से 67 गोलियां निकाली गई. इस हमले में विधायक कृष्णानंद राय के एक अलग पहचान वाले सिंबल उनकी शिखा तक को काट दिया गया था. कृष्णानंद राय का अपराधिक इतिहास था और बृजेश सिंह से करीबी रिश्ते थे.यह हत्या मुख्तार का अपने दुश्मनों को संदेश था कि उससे टकराने का अंजाम सिर्फ मौत है. इस हत्याकांड के बाद पूर्वांचल जल उठा था. मुख्तार पर इस हत्याकांड की साजिश का आरोप था और मुख्तार के शार्प शूटर मुन्ना बजरंगी की अगुवाई में इसे अंजाम दिया गया था, लेकिन बाद में सभी आरोपी इस केस से बरी हो गए थे।

माफिया डॉन के आगे खिलौना बना था सिस्टम....

सेना की मशीन गन बरामद करने पर डिप्टी एसपी शैलेन्द्र सिंह को भेज दिया गया था जेल

लखनऊ। वर्ष 2004 में मुलायम सरकार में मुख्तार अंसारी के घर छापा मारकर सेना की मशीन गन बरामद करने पर डिप्टी SP शैलेन्द्र सिंह पर जुल्म की यह तस्वीर है। देखिये, कैसे सरकार के कहने पर तब उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपने ही ईमानदार साथी की शर्ट फाड़कर गिरफ्तार करके फर्जी मुकदमे में जेल भेजा था, कुसूर यह कि मुलायम सरकार में उस मुख्तार के खिलाफ पोटा लगा दिया, जिसके आगे सब नतमस्तक थे, मुख्तार अंसारी के गुर्गों द्वारा सेना की लाइट गन मशीन चुराने का पर्दाफाश करने पर जिस अफसर को मेडल मिलना था।

उस अफसर को मुलायम सरकार में इस तरह जलील कर जेल में डाला गया था , इस केस के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस का मोरल इतना टूट गया कि जब तक मुलायम सिंह मुख्यमंत्री रहे पुलिस ने किसी भी अपराधी पर कोई कार्रवाई नहीं की और जैसे लालू का कार्यकाल बिहार के लिए जंगल राज है वैसे ही मुलायम सिंह यादव का कार्यकाल उत्तर प्रदेश के लिए गुंडाराज कहा जाता है. लेकिन यूपी सरकार बदली तो शैलेन्द्र सिंह की किस्मत चमक गई। अब वह नौकरी में बहाल भी हो चुके हैं।

संगीनों के साये में हुई जुमे की नमाज

मऊ ।मुख्तार अंसारी की मौत के बाद शुक्रवार को जुमे की नमाज को सकुशल संपन्न करना प्रशासन के लिए एक चुनौती पूर्ण कार्य था। लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुक्रवार को जुमे की नमाज सकुशल संपन्न हुई। जुमे की नमाज को लेकर मऊ शहर के शाही कटरा मस्जिद पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। इस दौरान पुलिस के साथ-साथ पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात रहे। कड़ी सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज सकुशल संपन्न कराई गई। इस दौरान सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस व पैरा मिलिट्री की फोर्स ने पैदल मार्च किया। नगर के शाही कटरा स्थित मस्जिद सहित जिले के विभिन्न मस्जिदों में रमजान माह में नमाजियों ने शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा की। इस दौरान शाही कटरा मैदान पर भारी पुलिस फोर्स के साथ-साथ पैरामिलिट्री फोर्स के जवान मौजूद रहे।

यूपी के तीन कुख्यात माफिया, जिनकी रमजान के महीने में हुई मौत

बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मौत रमजान के महीने में हुई है। हालांकि इससे पहले भी यूपी के दो और बिहार के एक कुख्यात माफिया की मौत भी रमजान के महीने में हो चुकी है। इन सभी माफियाओं में एक बात कॉमन रही। आइए जानते हैं।

उत्तर प्रदेश में माफिया मुख्तार अंसारी की मौत इन दिनों चर्चा का विषय बनी है। परिजनों ने मुख्तार को धीमा जहर देकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है। बहरहाल प्रदेश सरकार ने न्यायिक कमेटी से इस मामले की जांच का आदेश दिया है। मुख्तार अंसारी की मौत रमजान के महीने में हुई है। हालांकि इससे पहले भी यूपी के प्रयागराज में कुख्यात माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की मौत भी रमजान के महीने में हुई थी। उन्हें अस्पताल के बाहर

पुलिस अभिरक्षा में गोली मारी गई थी। अतीक और अशरफ की हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया था। जो फिलहाल जेल में हैं। इसके साथ ही बिहार के कुख्यात माफिया शहाबुद्दीन की मौत भी रमजान के महीने में ही हुई थी। खास बात ये है कि इन सभी माफियाओं में एक बात कॉमन रही। वो ये कि इन सभी माफियाओं का प्रदेश से लेकर देश की राजनीति में अच्छा-खासा दखल रहा।

माफिया मुख्तार अंसारीमाफिया मुख्तार अंसारी की रमजान में तबीयत बिगड़ने से हुई मौत

28 मार्च 2024 को जब पूर्व विधायक और पूर्वी यूपी के माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की मौत हुई। तब भी रमजान का 17वां दिन था। मुख्तार के वकील का कहना है कि मौत से पहले मुख्तार अंसारी ने जेल प्रशासन पर जहर देकर मारने की कोशिश का आरोप लगाया था। इस मामले में मुख्तार के परिजनों ने अदालत जाने की बात कही है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि मुख्तार की मौत कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुई है। मुख्तार अंसारी पर विभिन्न आरोपों में 60 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे।

अतीक और अशरफ को रमजान में लगी गोली

यूपी के प्रयागराज में कुख्यात माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या भी रमजान के महीने में की गई। 15 अप्रैल 2023 को प्रयागराज में पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई पूर्व विधायक अशरफ को पुलिस अभिरक्षा में गोली मारी गई। यह घटना रमजान के 23वें दिन घटी। अतीक अहमद और अशरफ की मौत के बाद उसके करीबियों ने योगी सरकार के बड़े पुलिस अफसरों पर हत्या का आरोप लगाया था। कुख्यात माफिया अतीक अहमद पर 100 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे।

अतीक और मुख्तार अंसारी की पत्नियों पर भी इनाम घोषित

अतीक और मुख्तार की मौत में एक और समानता रही। दोनों की पत्नियां फरार होने के साथ ही पुलिस के लिए मोस्ट वांटेड हैं। अतीक अहमद की बीवी शाइस्ता परवीन पर 50 हजार का इनाम घोषित है। जबकि मुख्तार अंसारी की पत्नी अफ्शा अंसारी पर भी 50 हजार का इनाम घोषित है।

माफिया के जनाजे में उमड़ा जनसैलाब

सुपुर्द-ए-खाक हुए मुख्तार अंसारी

शुक्रवार आधी रात करीब एक बजकर 15 मिनट पर माफिया मुख्तार अंसारी ताबूत में अपने घर मुहम्मदाबाद पहुंचा। लोग घर के बाहर कई घंटे से खड़े होकर शव का इंतजार कर रहे थे। आज मुख्तार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

बीपीएस न्यूज

गाजीपुर। माफिया मुख्तार अंसारी को सुपुर्दे-ए खाक करने के लिए उसके घर से करीब 400 मीटर दूर पुस्तैनी कब्रिस्तान में कब्र खोदी गई, जो 7.6 फीट लंबी और पांच फीट गहरी थी। यह कब्र उसके मां-बाप की कब्र से पांच फीट नीचे (पैर की तरफ) बनाई गई है, जिन्हें खोदने वाले तीन हिंदू मजदूर बुलाए गए। हालांकि उनका कहना था कि मुख्तार अंसारी के परिवार से जिन लोगों का इंतकाल होता है उनके लिए वे पहले से ही कब्र खोदने के लिए आते हैं।इस कब्रिस्तान में अब तक मुख्तार के परिवार से पिता सुभानल्लाह अंसारी और उनकी पत्नी की कब्र अगल-बगल बनाया गया है, जबकि उनके पूर्वजों की कब्र बगल में है। मुख्तार अंसारी की कब्र को उनकी कब्र से पांच फीट नीचे सुबह साढ़े सात बजे बनाने का काम शुरू हुआ। यह कार्य उनके भतीजे शोहेब अंसारी की निगरानी में हुई, जिसके लिए तीन हिंदू मजदूर नगीना, संजय और गिरधारी को बुलाया गया। मुख्तार अंसारी के जनाजे में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान भीड़ अधिक होने के चलते लोगों को कब्रिस्तान के बाहर रोक दिया गया गया था। अंदर 50 लोगों को जाने की अनुमति दी गई थी। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद से ही गाजीपुर जिले में चप्पे- चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। शुक्रवार की आधी रात के बाद शव घर पहुंचा तो लोगों की भीड़ अंतिम दर्शन के लिए व्याकूल दिखी। वहीं, मुख्तार के आवास के चारों तरफ बैरिकेडिंग कर भीड़ को नियंत्रित किया गया था। सुबह से लोगों की भीड़ फिर से जुटने लगी थी। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कभी गरीबों के लिए मसीहा बन चुके पूर्वांचल के माफिया डॉन की मौत से उसके समर्थकों में मातम पसरा रहा। वहीं, शनिवार को मुख्तार का जनाजा निकला तो लोग अपनी-अपनी छतों और घर के बाहर खड़े होकर देखते नजर आए।मुख्तार अंसारी के जनाजे में भारी संख्या में मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन में इस पल को कैद किया। हर तरफ लोगों का जमावड़ा देखने को मिला। मुख्तार अंसारी का जनाजा कब्रिस्तान के अंदर गया तो बाहर पांच हजार से अधिक की संख्या में खड़े लोगों की निगाहें अंतिम समय दीदार को व्याकूल दिखीं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह पुलिस प्रशासन अलर्ट रही।

ड्रोन से मौके की निगरानी की गई। मुख्तार अंसारी के जनाजे में भीड़ बेकाबू हो गई। कब्र पर मिट्टी डालने के लिए लोग बेताब दिखे। मुख्तार अंसारी के भाई सांसद अफजाल अंसारी और विधायक शोहेल अंसारी भी बार-बार लोगों से अपील कर चुके थे, लेकिन कोई जाने को तैयार नहीं था।

हथियार लेकर घर में लूटपाट करने घुसे लुटेरे, मां-बेटी ने मिलकर नोंच डाले चोरों के बाल

सीसी कैमरे में कैद हुई बहादुर महिलाओं की बहादुरी

तेलंगाना के सिकंदराबाद में एक महिला और उसकी बेटी ने दो हथियारबंद लोगों का बहादुरी से मुकाबला किया, जो उन्हें लूटने के इरादे से उनके घर में जबरन घुस आए थे। यह झड़प घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। अमिता महनोत और उनकी बेटी गुरुवार को अपने घर पर थीं, तभी दो लोग, सुशील कुमार और प्रेमचंद्र, जबरन उनके घर में घुस आए, पिस्तौल लहराते हुए और उनसे कीमती सामान मांगने लगे।

लुटेरों में से एक के हाथ में हथियार था और वह मां-बेटी को धमकाता नजर आया। हालाँकि, मार्शल आर्ट में कुशल अमिता ने हथियार छीन लिया और अपनी बेटी के साथ मिलकर उस आदमी की पिटाई की और उसे घर से बाहर निकाल दिया।

सीसीटीवी वीडियो में अमिता और उसकी बेटी दो लुटेरों में से एक सुशील को पकड़ने की कोशिश करती दिख रही है, जो हेलमेट पहने हुए था, क्योंकि वह भागने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने लात मारी, उसे धक्का देकर ज़मीन पर गिरा दिया और मारपीट की, अंततः उसे अपने घर से बाहर निकाल दिया।

बाद में कुछ लोगों को, जो स्थानीय प्रतीत होते थे, मां-बेटी की मदद के लिए घर में प्रवेश करते देखा गया, लेकिन उन्होंने खुद दूसरे लुटेरे प्रेमचंद्र को अपने घर से बाहर खदेड़ दिया। उधर, पुलिस ने भी केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हैदराबाद पुलिस ने शुक्रवार को उस महिला और उसकी बेटी को सम्मानित किया, जिन्होंने बेगमपेट के पैगाह कॉलोनी में एक घर में घुसे सशस्त्र लुटेरों से बहादुरी से मुकाबला किया था।

मीडिया संगठनों ने फोटो पत्रकारों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा फोटो पत्रकारों से कथित तौर पर हाथापाई किये जाने की मंगलवार को मीडिया संगठनों ने निंदा की और उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से विषय की जांच कराने की मांग की। यहां अलग-अलग बयानों में 'प्रेस क्लब ऑफ इंडिया' (पीसीआई) और 'दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स' ने हैरानगी जताई और उन फोटो पत्रकारों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की, जो राष्ट्रीय राजधानी में आप के प्रदर्शन को कवर कर रहे थे।

पीसीआई ने एक बयान में कहा, ''प्रेस क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली पुलिस द्वारा फोटो पत्रकारों पर किये गए हमले की निंदा करता है।'' 'वर्किंग न्यूज कैमरामैन्स एसोसिएशन' ने घटना की तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें कुछ पुलिस अधिकारियों को फोटो पत्रकारों का गला पकड़े और अन्य को गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी देते देखा जा सकता है। बयान में कहा गया है, ''प्रेस क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली पुलिस के बल प्रयोग की एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करता है ताकि पीड़ित फोटो पत्रकारों को न्याय मिले और वे पुलिस की बर्बरता का सामना किये बिना अपना पेशेवर काम कर पाएं।''दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने निर्वाचन आयोग और केंद्रीय गृह मंत्रालय से दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। आप ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रर्दशन का आयोजन किया था।

बदरुद्दीन अजमल का दावा, माहौल बीजेपी के खिलाफ, धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सत्ता में लौटने पर उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से हाथ नहीं मिलाएगी। हालांकि, एआईडीयूएफ नेता ने कहा कि वे उन सभी तीन सीटों पर जीत हासिल करेंगे, जिन पर वे चुनाव लड़ रहे हैं। सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया ब्लॉक में मचे घमासान से निराश बदरुद्दीन ने कहा कि अगर पार्टियां बरकरार रहतीं तो कुछ उम्मीद की जा सकती थी, लेकिन ये सभी लड़कर एकतरफा तौर पर बीजेपी को फायदा पहुंचा रहे हैं।

बदरुद्दीन ने कहा कि एआईयूडीएफ तीनों सीटें जीतेगी। हम बीजेपी-एनडीए के साथ सरकार नहीं बना सकते। इसलिए हम धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के साथ ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इंडिया गुट एक साथ होता तो कुछ उम्मीद हो सकती थी लेकिन ये सभी अलग-अलग लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस दो बड़ी पार्टियां हैं जो बिल्कुल अलग-अलग लड़ रही हैं। इससे बीजेपी को फायदा होगा। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भाजपा को भारी नुकसान होगा।एआईयूडीएफ नेता ने कहा कि मैं और कुछ नहीं कहना चाहूँगा; वे हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगे, लेकिन माहौल बीजेपी के खिलाफ जा रहा है। लोगों को 15 लाख रुपये की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दो करोड़ नौकरियां नहीं मिलीं। युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि जिस युवा ने भाजपा को सत्ता में पहुंचाया वही युवा आज उनसे नाराज है। हमें जमीन की जानकारी है। उत्तर प्रदेश और बिहार में बीजेपी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने दावा किया कि वे संविधान बदलने की सोच रहे हैं जिसके लिए उन्हें 400 से अधिक सीटें चाहिए, उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा।

असम में कुल 14 संसदीय क्षेत्र हैं। असम की 14 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि चीजें बीजेपी के पक्ष में नहीं जा रही हैंज्यह बहुत मुश्किल है (बीजेपी को 370 हासिल करना) क्योंकि उन्होंने इस बार कुछ नहीं किया है।' हम भी बिजनेस करते हैं और हमें डर है कि अगर हम कुछ बोलेंगे तो वो हमारे पीछे ईडी और सीबीआई लगा देंगेज दूसरी बड़ी बात ये है कि वो संविधान बदल देंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें 400 प्लस की जरूरत है जो कि बनी हुई है. उनके लिए सपना जो पूरा नहीं होगा. अगर भारत गठबंधन के भीतर पार्टियां एक साथ लड़ने के लिए सहमत होतीं, तो चीजें अलग होतीं, लेकिन अब इससे बीजेपी को फायदा होगा।

'नाटक और नौटंकी ही आप की असली विशेषता, कोर्ट को बनाया राजनीतिक अखाड़ा', बीजेपी का वार

भाजपा ने विपक्ष पर बड़ा वार किया है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि इंडिया गठबंधन में, कांग्रेस पार्टी जो सबसे पुरानी पार्टी है और आम आदमी पार्टी जो सबसे नवगठित पार्टी है और सभी 'परिवारवादी' पार्टियों का चरित्र लूटना, झूठ बोलना और पकड़े जाना और फिर शिकार बनकर संस्थाओं पर दबाव बनाना बन गया है। उन्होंने कहा कि यह उनकी चार सूत्री कार्यप्रणाली बन गई है कि हम लूटते रहेंगे, हम झूठ बोलते रहेंगे, पकड़े जाने पर हम पीड़ित होने का कार्ड खेलना शुरू कर देंगे और अगर वह पीड़ित कार्ड काम नहीं करता है तो हम संस्थानों पर हमला करते रहेंगे।

शहजाद पूनावाला ने कहा कि पूरा देश जानता है कि सस्ते नाटक और नौटंकी ही आम आदमी पार्टी की असली विशेषता रही है। और आज आम आदमी पार्टी ने सारी हदें पार कर कोर्ट जैसी पवित्र जगह को भी अपने राजनीतिक नाटक का मैदान बना लिया है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में पहली बार कोर्ट को राजनीतिक अखाड़ा बनाने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि हमें पता है कि आम आदमी पार्टी का राजनीतिक चरित्र रहा है कि वे हमेशा से ड्रामेबाजी और नौटंकी वाली राजनीति करती है, लेकिन आज जिस तरीके से कोर्ट के पावन फ्लोर को अपने राजनीतिक नौटंकी का अड्डा बनाने की कोशिश की गई, उसे पूरे देश ने देखा।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से न्यायपालिका पर दबाव डाला गया और निरर्थक आरोप लगाए गए, वह क्क के बेईमान चरित्र को दर्शाता है। आज कोर्ट को आप ने राजनीतिक अखाड़ा बना दिया। उन्होंने कहा कि आप ने पुराने 'सबूत' को दोबारा पैक किया और उन्हें कोर्ट के सामने पेश किया। 'प्रेजेंटेशन' वही था जिसके कारण उन्हें पिछली कार्यवाही में असफलता मिली थी। आज का एपिसोड हमें उस मुहावरे की याद दिलाता है ङ्क 'नई बोतल में पुरानी शराब'। यह शर्मनाक है कि उन्होंने कोर्ट के फैसले को सम्मानपूर्वक स्वीकार नहीं किया।

पूनावाला ने कहा कि हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को कोई राहत न मिलने पर भी आम आदमी पार्टी लगातार कह रही थी कि फैसला हमारे हक में आ गया है। आज जब हाईकोर्ट केजरीवाल की रिमांड बढ़ाती है, तब भी ये नैरेटिव गढ़ा जाता है कि हमारी बात को स्वीकार लिया गया है। जबकि कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल के तर्क को नहीं स्वीकारा है। उन्होंने कहा कि ईवीएम और कोर्ट ही नहीं, इंडिया गठबंधन के लोग जनता के विवेक पर भी संदेह करते हैं और सवाल उठाते हैं! इंडी गठबंधन के नेता नारी शक्ति, जन शक्ति, युवा शक्ति और सनातन शक्ति का अपमान करते हैंज्उन्होंने न तो ईवीएम को छोड़ा और न ही ईसी को। देश इन शर्मनाक लोगों को चुनाव नतीजों के जरिए जवाब देगा।

जब सरकार बदलेगी तो 'लोकतंत्र का चीरहरण' करने वालों पर होगी कार्रवाई: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस को आयकर नोटिस मिलने के कुछ घंटों बाद, राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकतंत्र को कमजोर करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की कसम खाई। राहुल गांधी ने कहा कि कार्रवाई इतनी सख्त होगी कि फिर कभी लोकतंत्र कमजोर नहीं होगा। राहुल गांधी ने बीजेपी को सरकार बदलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा कि जब सरकार बदलेगी तो 'लोकतंत्र का चीरहरण' करने वालों पर कार्रवाई ज़रूर होगी! और ऐसी कार्रवाई होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी, ये सब करने की। ये मेरी गारंटी है।राहुल का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आयकर विभाग ने पांच अलग-अलग वित्तीय वर्षों के टैक्स रिटर्न में कथित विसंगतियों के लिए 1823.08 करोड़ रुपये के भुगतान के नए नोटिस उसे जारी किए हैं लेकिन उसने भारतीय जनता पार्टी को लेकर आंखें बंद कर ली हैं जबकि उस पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना बनता है। पार्टी ने यह दावा भी किया कि लोकसभा चुनाव से पहले 'कर आतंकवाद' (टैक्स टेररिज्म) के जरिये विपक्ष पर हमला किया जा रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भाजपा द्वारा 42 करोड़ रुपये जमा करने के लिए 4,600 करोड़ रुपये के जुर्माने की अनदेखी की गई, जबकि कांग्रेस के विधायकों और सांसदों द्वारा 14 लाख नकद जमा करने के लिए 135 करोड़ रुपये के जुर्माने की मांग की गई है। उन्होंने सवाल किया कि केवल विपक्ष के खिलाफ इस अनुचित तरीके से कार्रवाई करने के लिए आयकर विभाग पर कौन दबाव डाल रहा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को परेशान करने के लिए आयकर विभाग को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति क्यों दी जा रही है?

बेरोजगारी की सच्चाई छिपाने के लिए सरकार कर रही है आंकड़ों की बाजीगरी:जयराम

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि सरकार बेरोजगारी की सच्चाई को छिपाने के लिए आंकड़ों की बाजीगरी कर रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि आज बेरोजगारी दर पिछले चार दशकों में सबसे अधिक है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हाल ही में एक केंद्रीय मंत्री ने आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) की रोजगार रिपोर्ट को भारत की गुलाम मानसिकता का लक्षण बताया। इसके बजाय, उन्होंने ईपीएफओ, ईएसआई और राष्ट्रीय पेंशन योजना के डेटाबेस के आधार पर वित्त वर्ष 2020 और वित्त वर्ष 2023 के बीच 5.2 करोड़ नई औपचारिक नौकरियों का बेतुका दावा किया।''

उन्होंने कहा, ''जैसा कि कई अर्थशास्त्रियों ने साबित किया है, वित्त वर्ष 2020-23 के बीच कुल रोजगार सृजन ज्यादा से ज्यादा 2.27 करोड़ हुआ है। तीन वर्षों में ये 2.27 करोड़ नौकरियां भी मोदी सरकार के प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरी देने के वादे से कोसों दूर है। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि यह 2.27 करोड़ का आंकड़ा भी वास्तविकता से अधिक है।'' कांग्रेस महासचिव के अनुसार, 2020 के उच्चतम न्यायालय के फ़ैसले के अनुसार ईपीएफओ को 20 से अधिक लोगों को रोज़गार देने वाले किसी भी प्रतिष्ठान में संविदा कर्मियों को शामिल करना आवश्यक है। रमेश ने दावा किया कि ईपीएफओ में वृद्धि का एक कारण अब इसके लिए आसान पंजीकरण भी है।

उनका कहना है, ''बीस या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठान ईपीएफ अधिनियम के दायरे में आते हैं। जो कंपनियां एक वर्ष में 19 से 20 कर्मचारियों को स्थानांतरित करती हैं।

भगवान राम का संदेश है कि सत्ता सदा नहीं रहती और अहंकार चूर-चूर हो जाता है: प्रियंका गांधी

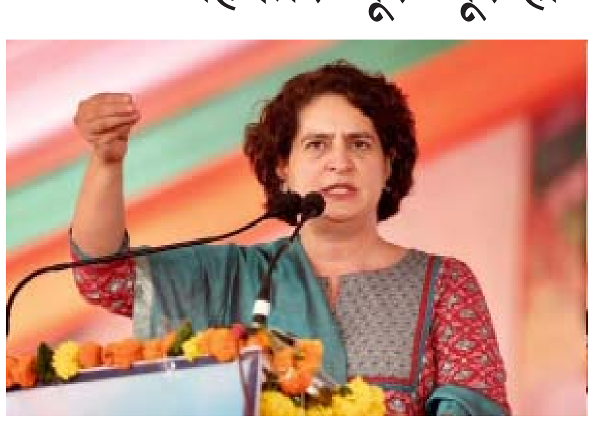

नई दिल्ली। प्रियंका गांधी के अनुसार, ''भगवान राम जब सत्य के लिए लड़े, तो उनके पास सत्ता और संसाधन नहीं थे। रथ, सत्ता, और संसाधन रावण के पास थे। वह सोने की लंका में रहता था। भगवान राम के पास सत्य था।''

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सत्ता में बैठे अन्य लोगों को भगवान राम का यह संदेश याद रखना चाहिए कि सत्ता सदा नहीं रहती और अहंकार चूर-चूर हो जाता है।

उन्होंने रामलीला मैदान में आयोजित विपक्ष की 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' के दौरान भगवान राम और रामायण का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री और भाजपा पर निशाना साधा।

प्रियंका गांधी ने इस बात का जिक्र किया कि वह बचपन में अपनी दादी इंदिरा गांधी के साथ रामलीला मैदान में कई रामलीलाओं की साक्षी बनीं तथा इंदिरा गांधी ने उन्हें भगवान राम के जीवन और उनके संदेश के बारे में बताया।

उन्होंने दावा किया, '' आज जो लोग सत्ता में हैं, वो अपने आपको रामभक्त कहते हैं। मुझे लगता है कि वो कर्मकांड में उलझ गए हैं और दिखावे में लिप्त हो गए हैं। इसलिए उन्हें यह याद दिलाना जरूरी है कि हजारों साल पुरानी गाथा क्या थी।''प्रियंका गांधी के अनुसार, ''भगवान राम जब सत्य के लिए लड़े, तो उनके पास सत्ता और संसाधन नहीं थे। रथ, सत्ता, और संसाधन रावण के पास थे। वह सोने की लंका में रहता था। भगवान राम के पास सत्य था।''

उन्होंने कहा, ''मैं सत्ता में बैठे सरकार के सदस्यों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को याद दिलाना चाहती हूं कि इस गाथा और भगवान राम का यही संदेश था कि सत्ता सदा नहीं रहती, अहंकार चूर-चूर हो जाता है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सत्ता में बैठे अन्य लोगों को भगवान राम का यह संदेश याद रखना चाहिए कि सत्ता सदा नहीं रहती और अहंकार चूर-चूर हो जाता है।उन्होंने रामलीला मैदान में आयोजित विपक्ष की 'लोकतंत्र बचाओ महारैली' के दौरान भगवान राम और रामायण का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री और भाजपा पर निशाना साधा।

मस्जिदों को अलीगढ़ में तिरपाल से ढका गया

यूपी के अलीगढ़ में मस्जिदों को होली के त्योहार पर तिरपाल से ढक दिया गया है. ऐसा किस लिए किया गया चलिए बता देते हैं. दरअसल, होली पर मुस्लमान रंगों का ये त्योहार नहीं मनाते. माना जाता है कि होली पर मुस्लमानों को रंग लगना उनके लिए सही नहीं होता. ऐसे में वो होली पर घरों में ही रहते हैं. इसलिए ही मस्जिदों को रंगों से बचाया जा सके इसलिए उन्हें तिरपाल से ढका जाता है. इसके लिए प्रशासन की तरफ से भी पूरी तैयारियां की गई हैं. कहीं दंगा न हो जाए इसके लिए पुलिस जगह-जगह खड़ी नजर आ रही है.

फिल्मी दुनिया से अब बड़ा गायक बामुश्किल ही निकलता है : सिंगर शान

शान ने कहा, '' संगीत की दुनिया में आज जितने भी बड़े नाम हैं वे या तो रैपर हैं या उनके पास संगीत शैलियों का अपना ब्रांड है। अरिजीत सिंह संभवत: फिल्म संगीत से आने वाले आखिरी बड़े गायक हैं।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन इनमें से कई फिल्म जगत में आने से पहले ही खुद का संगीत बनाकर लोकप्रिय हो गए थे, जैसे कि गुरु रंधावा, हनी सिंह, बादशाह, किंग।

लोकप्रिय गायक शान का कहना है कि भारतीय संगीत अहम बदलाव से गुजर रहा है और आज एक कलाकार को प्रसिद्धी के लिए फिल्मों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। वर्ष 1990 के दशक के अंत में 'लव-ओलॉजी' और 'तन्हा दिल' एल्बम के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाले शान ने कहा कि यह गुरु रंधावा, नेहा कक्कड़ और बादशाह जैसे रैपर्स या संगीतकारों का दौर है। उन्होंने कहा कि अरिजीत सिंह फिल्मी दुनिया से लोकप्रिय होने वाले आखिरी बड़े गायक हैं।

शान ने कहा, '' संगीत की दुनिया में आज जितने भी बड़े नाम हैं वे या तो रैपर हैं या उनके पास संगीत शैलियों का अपना ब्रांड है। अरिजीत सिंह संभवत: फिल्म संगीत से आने वाले आखिरी बड़े गायक हैं।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन इनमें से कई फिल्म जगत में आने से पहले ही खुद का संगीत बनाकर लोकप्रिय हो गए थे, जैसे कि गुरु रंधावा, हनी सिंह, बादशाह, किंग। लेकिन आज फिल्मी दुनिया से बामुश्किल ही कोई बड़ा गायक निकल रहा है।'' शान ने कहा, '' मेरे जैसे गायक, जिनकी छवि बॉलीवुड गायक के तौर पर बन चुकी है उनके लिए इससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि मेरे गैर-फिल्मी गाने शायद ही लोग सुनेंगे।

मुन्ना भैया की वापसी पर बोले रितेश सिधवानी

रितेश सिधवानी ने कहा, यह दुर्भाग्य की बात है कि मुन्ना त्रिपाठी उस तरह से सिरीज में वापसी नहीं कर सकता, मगर बेहद ही दिलचस्प है कुछ, जिसके लिए आपको इंतजार करना होगा। कुछ ऐसा है. जिसके जरिए मुन्ना दर्शकों की जिंदगी में फिर से प्रवेश करेगा। अब मुन्ना किस तरह से वापसी करेगा इस बारे में रितेश ने इनकार कर दिया।

मिर्जापुर 3 में मुन्ना भैया की वापसी!

प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने खोला राज

मिर्जापुर सीजन 2 में मुन्ना भैया यानी मुन्ना त्रिपाठी की मौत हो गई थी। लेकिन अब कहा जा रहा है मिर्जापुर 3 में फिर से वापसी होने जा रही है मुन्ना त्रिपाठी की। इस किरदार को दिव्येंदु शर्मा ने शानदार तरीके से निभाया है। वहीं फैंस काफी लंबे समय से मिर्जापुर 3 में मुन्ना भैया आएगा या नहीं, इस बात का खुलासा हो चुका है।मोस्ट आवेटेड सुपरहिट वेब सीरिज मिर्जापुर के तीसरे सीजन का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साल 2018 में इसका पहला सीजन आया था और वहीं दूसरा सीजन 2020 में आया था। सीजन 2 को आए हुए 4 साल हो गए हैं। हाल ही में जब ह्व्ह्न्ह्ल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने इस साल अपनी फिल्मों और वेब सीरीज की लिस्ट जारी की है, उसमें मिर्जापुर 3 का भी नाम था। यह सुनकर फैंस का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मिर्जापुर 3 की रिलीज को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं, हालांकि यह भी जानने को बैचेन हैं कि क्या तीसरे सीजन में गुड्डू भैया (अली फजल) की तरह मुन्ना त्रिपाठी की भी वापसी होगी। मिर्जापुर के सीजन 2 में मुन्ना भैया की मौत हो जाती है लेकिन क्या वह मिर्जापुर 3 में वापसी करेंगे? इसका बात का खुलासा रितेश सिधवानी ने दिया है।

अगर आपको याद हो कि मिर्जापुर 2 के क्लाइमैक्स में गुड्डू भैया और गोलू दोनों मिलकर कालीन भैया और मुन्ना त्रिपाठी को गोली मारते हैं। इसमें कालीन भैया तो बच जाते हैं, पर मुन्ना त्रिपाठी की मौत हो जाती है। इस किरदार की मौत के बाद फैंस को काफी झटका लग जाता है। हालांकि मुन्ना भैया का कमबैक पर प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने जवाब दे दिया है।

टी 20 वर्ल्ड कप से पहले बाबर को फिर मिली पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कमान

बाबर ने पिछले साल नवंबर में भारत में वनडे विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों से कप्तानी छोड़ दी थी। बाबर ने तत्कालीन पीसीबी प्रमुख जका अशरफ के यह कहने के बाद अपनी भूमिका छोड़ दी थी कि वह अब सीमित ओवरों के प्रारूप में कप्तान नहीं रहना चाहते हैं और केवल टेस्ट टीम का नेतृत्व करना चाहते हैं।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को टी20 विश्व कप से दो महीने पहले रविवार को फिर से सफेद गेंद प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया। यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद लिया गया। पीसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''पीसीबी की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के सफेद गेंद प्रारूप (वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय) कप्तान नियुक्त किया है।''

बाबर ने पिछले साल नवंबर में भारत में वनडे विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों से कप्तानी छोड़ दी थी। बाबर ने तत्कालीन पीसीबी प्रमुख जका अशरफ के यह कहने के बाद अपनी भूमिका छोड़ दी थी कि वह अब सीमित ओवरों के प्रारूप में कप्तान नहीं रहना चाहते हैं और केवल टेस्ट टीम का नेतृत्व करना चाहते हैं। बाबर टी20 कप्तान के रूप में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 1-4 की हार में पाकिस्तान का नेतृत्व किया था। टी20 विश्व कप एक जून

मयंक से लैंग्थ सही रखने और बाउंसर का इस्तेमाल करने को कहा था, लखनऊ के गेंदबाजी कोच मोर्कल

मयंक ने 27 रन देकर तीन अहम विकेट चटकाये। मैच के बाद मोर्कल ने कहा,'' मयंक ने इतनी उमस के बीच इस रफ्तार से शानदार गेंदबाजी की। उसके लिये पिछला साल कठिन था चूंकि पहले अभ्यास मैच के बाद वह चोटिल हो गया था।

मयंक ने 27 रन देकर तीन अहम विकेट चटकाये। मैच के बाद मोर्कल ने कहा,'' मयंक ने इतनी उमस के बीच इस रफ्तार से शानदार गेंदबाजी की। उसके लिये पिछला साल कठिन था चूंकि पहले अभ्यास मैच के बाद वह चोटिल हो गया था। हमने उसे अपनी लैंग्थ बनाये रखने और बाउंसर का सही इस्तेमाल करने के लिये कहा था।''

उन्होंने कहा,'' गेंदबाजों ने यह जीत दिलाई। पहले टाइमआउट में ही गेंदबाजों से मैच में बने रहने के लिये कहा था और उसके बाद मयंक ने ऐसी शानदार गेंदबाजी की।'' वहीं पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि लियाम लिविंगस्टोन के चोटिल होने से टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ा चूंकि वह चौथे नंबर पर नहीं उतर सके।

उन्होंने कहा,'' लखनऊ ने अच्छा खेला। लिविंगस्टोन के चोटिल होने से हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ा लेकिन मयंक की रफ्तार ने भी हमें हरा दिया। उसकी गेंदों को खेलना अच्छा लगा और उसकी रफ्तार ने मुझे हैरान कर दिया।'' उन्होंने कहा,'' हम अपनी गलतियों से सबक लेकर अगले मैचों में बेहतर रणनीति के साथ आयेंगे और उस पर अमल करेंगे।

छोटे-छोटे बच्चों ने मनमोहक झांकी प्रस्तुत कर छठा बिखेरी

तालियां बजाकर अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया

नौबस्ता गल्ला मंडी स्कूल में मनाया गया एनुअल फंक्शन, तरंग - 2024

आशीष शर्मा

कानपुर। नौबस्ता, गल्लामंडी राजे नगर स्थित जय भारत हाई सेकेंडरी स्कूल में एनुअल फंक्शन, तरंग - 2024 मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गई। गणेश वंदना मे प्रिंस, आकाश, गोपाल, अभिनव, अक्षय, आशीष, गौरव, उदयभान, सूरज, युवराज ने श्री गणेश सा देवा ज्वाला सी जलती है आंखों में जिसकी गीत पर सभी बच्चों ने नृत्य कर झांकी प्रस्तुत की।

उसके बाद वैष्णवी, अंशिका, कल्पना, अवन्या, प्राची, खुशी आदि छोटे बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। बच्चों ने कोई शहरी बाबू कोई लहरी बाबू, मैं निकला गड्डी लेके, तुझको ही दुल्हन बनाऊंगा वरना मैं कुंवारा रह जाऊंगा, रानी तेरा लाया रे लाल शरारा, मुझको याद सताए तेरी, चिकनी चमेली, पव्वा चढ़ा के आई फिल्मी गानों पर नृत्य किया। वही स्कूल के छोटे बच्चे प्रिंस और प्रिंसी ने राधा तेरी बिंदिया है कनपुरिया कृष्ण भक्ति संगीत पर कृष्ण राधा बनकर झांकी प्रस्तुत की। टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के जेठालाल बनकर बच्चों ने लोगों को खूब हंसाया। स्वच्छता पर नाटक का मंचन किया गया। अंधविश्वास से पर्दा हटाने और लोगों को जागरूक करने के लिए ढोंगी बाबा नाटक का मंचन किया गया। जय हनुमान ज्ञान गुण सागर जय कपीस तिहुं लोक उजागर हनुमान चालीसा पर मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। बड़े बच्चों द्वारा बागबान फिल्म की तर्ज पर नाटक का मंचन किया गया। आर्मी अटैक देशभक्ति पर बच्चों ने खूबसूरत नाटक का मंचन किया। लोकतंत्र के पर्व लोकसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग करें और मतदान करें। चलो सब साथ चलेंगे मिलकर मतदान करेंगे नृत्य गीत पर लोगों को जागरूक किया। वही खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी झांसी की रानी बन, मेरा रंग दे बसंती चोला माय रंग दे बसंती चोला भगत सिंह, रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीताराम महात्मा गांधी जैसे देश भक्ति के गानों पर बच्चों द्वारा प्रस्तुत दी गई।

दहेज प्रथा की कुरीतियों पर नाटक मंचन किया गया। नन्दी पे सवार होके भोला आया रे शिव भक्ति पर झांकी प्रस्तुत की गई। आखरी में राधा कृष्ण की झांकी प्रस्तुत कर सभी बच्चों ने नृत्य करते हुए फूलों की होली खेली जिसमें होली आई होली आई मस्ती छाई नृत्य कर सभी पर फूल बरसाए। अभिभावकों और क्षेत्रीय लोगों ने भी बच्चों का ताली बजाकर उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम समाप्त होने पर कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी 82 बच्चों को पुरुस्कृत किया गया। बच्चों ने बताया कि हमें कार्यक्रम के लिए तैयार करने में स्कूल टीचर साक्षी मैंम का योगदान ज्यादा रहा। विद्यालय संचालक सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि 51 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में तरंग 2024 एनुअल फंक्शन का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों को एनुअल फंक्शन के लिए ट्रेंड किया गया है। हम उन बच्चों से व उनके माता-पिता से भी कहना चाहेंगे की जो बच्चे झिझक के कारण इस कार्यक्रम में भाग नहीं ले सके हैं, वह अगले साल एनुअल फंक्शन में अपना नाम लिखावें और भाग लें। तरंग 2024 एनुअल फंक्शन में मुख्य रूप - से स्कूल संचालक सत्येंद्र तिवारी, अनिल त्रिपाठी संयोजक (श्रम प्रकोष्ठ भाजपा), प्रमेश शुक्ला (संरक्षक), मीना अवस्थी (प्रधानाचार्या), साक्षी, शिवानी, राजकुमारी, दिव्या, स्नेहा, आकांक्षा, गौरी, अर्चना, कृतिका, कोमल आदि स्कूल टीचर उपस्थित रहे।

कानपुर। बिरहाना रोड पर पटकापुर स्वच्छता समिति के द्वारा गंगा मेला पर मनाया गया होली मिलन समारोह

30 अप्रैल से मुंबई और दिल्ली के लिए एक-एक और फ्लाइट शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर के अहिरवां एयरपोर्ट के निदेशक संजय कुमार ने बताया कि यह शेड्यूल 26 अक्तूबर तक का है। दिल्ली की शाम वाली फ्लाइट की क्षमता 197 सीटों की है। बाकी फ्लाइट में 186 सीट की हैं।कानपुर में अगले महीने की 30 तारीख से मुंबई और दिल्ली के लिए एक-एक और फ्लाइट शुरू होने जा रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इनका शेड्यूल जारी कर दिया है। दोनों फ्लाइट विमानन कंपनी आकाशा की हैं। इनके संचालन के साथ ही इन दोनों शहरों के लिए दो-दो फ्लाइट हो जाएंगी। मुंबई की सुबह व दोपहर, दिल्ली की दोपहर व शाम को फ्लाइट उड़ान भरेगी। कानपुर के अहिरवां एयरपोर्ट के निदेशक संजय कुमार ने बताया कि यह शेड्यूल 26 अक्तूबर तक का है। दिल्ली की शाम वाली फ्लाइट की क्षमता 197 सीटों की है। बाकी फ्लाइट में 186 सीट की हैं।

होली के रंग - प्रभाकर कचौड़ी व समोसे मसाले के संग

नरेन्द्र ओमर

महेन्द्र ओमर

प्रभाकर हवन सामग्री के नाम से प्रदेश व अन्य कई राज्यों में हम विगत 70 वर्षों से विख्यात हैं। इसी क्रम में वर्ष 2001 से प्रभाकर ग्रुप ने मसालों की विशिष्ट रेंज प्रारम्भ की, जो 100 प्रतिशत शुद्ध घरेलू नुस्खों व स्वास्थ्य में लाभप्रद तथा ग्राहकों व गृहणियों के लिए बुनियादी स्वाद पर आधारित है। गुणवत्ता और नूतनता पर निरंतर ध्यान व आज की फास्ट-फूड लाइफ की आवश्यकता को देखते हुए प्रभाकर ब्राण्ड ने समय के साथ ग्राहकों व गृहणियों का भरोसा हासिल किया है। प्रभाकर कचौड़ी मसाला, दही बड़ा मिक्स मसाला, नूडल्स मसाला, दालमोठ मसाला, तंदूरी चिकेन मसाला, बटर चिकेन मसाला, बिरयानी पुलाव मसाला, काला नमक, व्रत के लिए शु(सेंधा नमक, समोसा मसाला, कुटी मिर्चा, बुकनू, भरवाँ सब्जी मसाला, मिर्चा मसाला, अचार आम का मसाला, चाट-मसाला, चटपटा नमक, पनीर मसाला, जलजीरा व शु(व साफ खड़े मसाले जैसे- जीरा, मेथी, कलौंजी, राई, सौंफ, मेथी, सौंफ लखनवी, अजवाइन एवं शादी बरातों के आयोजनों में प्रयोग में आने वाले प्रोडक्ट, सोंठ पिसी, सौंफ पिसी, सफेद मिर्च पिसी, काली मिर्च पिसी, जीरा पिसा, अनारदाना पिसा, कसूरी मेथी, किचन किंग, पापड़ व हींग के साथ 90 से अधिक प्रकार के उत्पादों की व्यापक श्रृंखला में उपलब्ध है। आज प्रभाकर के उपरोक्त उत्पाद घरेलू महिलाओं व अच्छे कारीगरों (हलवाई) के साथ किचन के अभिन्न अंग बन चुके हैं।

भारतीय भोजन के लिए किसी भी पकवान में यह देखना महत्वपूर्ण होता है कि भोजन कैसा दिख रहा है व खुशबू का एहसास जिसका आभास होते ही भूख व दिलचस्पी अधिक हो जाती है। प्रभाकर (एगमार्क) गरम मसाला, सब्जी मसाला, मीट मसाला, सदियों से ऐसे सम्मिश्रण हैं, जो भोजन के स्वाद में एक्स्ट्रा स्पाइस व जायके का आनन्द प्रदान कराते हैं। प्रभाकर के इन चुनिंदा उत्पादों में जायफल, जावित्री, लौंग, जीरा, बड़ी इलायची, दाल चीनी, कबाब चीनी, तेजपत्ता व पोस्तादाना का नपा-तुला मिश्रण उचित मात्राओं में प्रयोग में किया जाता है, जिससे आप विशिष्ट स्वाद व खुशबू का आनन्द ले सकें। हम सभी पाठकों, डीलरों व शहर के सभी प्रबुद्धजनों के साथ अपने सभी विक्रेताओं को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आप सभी के स्नेह व प्यार-दुलार से प्रभाकर ब्राण्ड सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने को स्थापित करने में सफल हुआ है और शीघ्र हम अपने कुछ उत्पाद मिडिल ईस्ट में भेजने की तैयारी कर रहे है।

बजरंग दल व पुलिस ने उन्नाव की तरफ जा रही दो बसें रोकी

कानपुर में बजरंग दल व पुलिस ने उन्नाव की तरफ जा रही दो बसें रोक दीं। आरोप है कि दोनों बसों से करीब 80 लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए ले जाया जा रहा था।

80 लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए ले जाने का आरोप

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में थाना नवाबगंज अंतर्गत चौकी गंगा बैराज के बोट क्लब के पास बजरंग दल ने पुलिस के सहयोग से दो बसें जोकि उन्नाव की तरफ जा रही थीं रोकी। दोनो बसें में पुरुषों और महिलाओं को भरकर धर्म परिवर्तन के लिए ले जाया जा रहा था। जानकारी मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। बताया जा रहा है कि दोनों बसों में करीब 80 लोग सवार थे।नवाबगंज एसओ दीनानाथ ने बताया कि बस सवार कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें पैसे का लालच देकर जबरन धर्म परिवर्तन के लिए ले जाया जा रहा है। एसओ का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।